हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 03 मार्च 2025 | वर्ष : 03 अंक : 60 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बिहार में बजट से पहले बवाल, तेजस्वी की डिमांड पर जेडीयू ने 23 हजार करोड़ की याद दिलाई

एजेंसी

पटना: बिहार में सोमवार को बजट पेश होने वाला है। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी नीतीश कुमार की मौजूदा सरकार का अंतिम बजट पेश करने जा रहे हैं। इसे लेकर एक तरफ सरकार तैयारी मे जुटी है तो विपक्ष की ओर से सियासत की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की जनता के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली समेत कई मांगें सरकार के सामने रख दी है। जदयू ने तेजस्वी पर पलटवार किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने तेजस्वी की प्री-बजट डिमांड पर पूर्व सीएम लालू यादव और राबड़ी देवी को लपेटे में ले लिया है।जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में बिहार का बजट महज 23 हजार करोड़ रुपये का था, किन्तु आज वही बजट का आकार करीब तीन लाख करोड़ रुपये का हो चुका है। रविवार को बयान जारी कर कहा कि बजट पर नसीहत देने के बजाय तेजस्वी यादव को अपने पिता लालू प्रसाद यादव और माता राबड़ी देवी के 15 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब जनता को देना चाहिए।

बिहार में नीतीश ही एनडीए का फेस और सीएम भी होंगे

भाजपा के बड़े नेता ने कर दिया कंफर्म

जब इस इंटरव्यू में संजय मयूख से पूछा गया कि क्या एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ेगी? तब इसपर संजय मयूख ने कहा, 'निश्चित, इसमें कोई किन्तु-परन्तु नहीं है। हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही

एजेंसी

पटना: बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही ठऊअ का चेहरा होंगे और अगर एनडीए चुनाव जीत जाती है तो नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री भी होंगे। बीजेपी के एक बड़े नेता ने इस बात को कंफर्म कर दिया है। दरअसल बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय मयूख ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि इसमें कोई लेकिन-परन्तु नहीं है कि नीतीश कुमार ही बिहार में एनडीए का चेहरा होंगे।न्यूज 18 से बातचीत में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और बिहार के एमएलसी संजय मयूख ने तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा है। तेजस्वी यादव द्वारा गाहे-बगाहे एनडीए पर निशाना साधे जाने को लेकर संजय मयूख ने कहा, ह्यअसल बात यह है कि उनको मौका तो मिला था, बल्कि उनके पूरे खानदार को मौका मिला था लेकिन

बिहार के विकास को सीधे तौर पर उनलोगों रोक दिया था। उनका मानना था कि विकास से वोट नहीं मिलता है। लेकिन हम लोगों ने इसे साबित किया है। नीतीश कुमार ने यह साबित किया है कि विकास से ही वोट मिलता है, तो हम विकास पथ पर चलते ही रहेंगे फिर चाहे तेजस्वी यादव कोई भी हमला बोलें।जब इस इंटरव्यू में संजय मयूख से पूछा गया कि क्या एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ेगी? तब इसपर संजय मयूख ने कहा, 'निश्चित, इसमें कोई किन्तु-परन्तु नहीं है। हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़े थे, लड़े हैं और लड़ेंगे। नीतीश कुमार ही सीएम फेस होंगे और इसमें कहीं भी कोई सवाल नहीं उठ रहा है। हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में हैं।'निशांत पर क्या बोले संजय मयूख...नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की अटकलों पर भी संजय मयूख ने अपनी बात रखी है। संजय मयूख ने कहा कि निशांत कुमार एक योग्य पिता के योग्य पुत्र हैं। इसमें निर्णय उनका होगा। निर्णय जनता दल यूनाइटेड का होगा। हम तो स्वागत करने की भूमिका में हमेशा रहेंगे। संजय मयूख ने यह भी कहा कि आरजेडी में हार से हाहाकार मचा हुआ है। इसलिए आगे चलकर कई लोग एनडीए में आ सकते हैं। संजय मयूख ने उम्मीद जताई है कि इस चुनाव में एनडीए 210 सीटें जीतेगी।

बिहार बजट में मुफ्त बिजली और महिलाओं को 2500 रुपये की दें सौगात: तेजस्वी

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार अपने इस कार्यकाल का अंतिम बजट पेश करेगी। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लिहाजा यह कहा जा रहा है कि नीतीश सरकार का यह बजट चुनाव को देखते हुए तैयार किया गया है और इसमें बिहार के विकास से जुड़े कई ऐलान हो सकते हैं। इस बीच विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मांग कर दी है कि सरकार राज्य में मुफ्त बिजली और महिलाओं को 2500 प्रतिमाह दिए जाने का ऐलान अपने बजट में करे।दरअसल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपनी ही घोषणाओं को राज्य सरकार के पाले में डाल दिया और आगामी बिहार बजट में उन्हें शामिल किए जाने की मांग रख दी है। उन्होंने कहा कि बिहार बजट में महिलाओं के खाते में 2500 रुपये, 200 यूनिट बिजली फ्री, सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 1500 रुपये पेंशन, गैस सिलेंडर 500 रुपया किए जाने का ऐलान किया जाए।रविवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी आगे की रणनीति के बारे में भी बताया। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आने वाले दिनों में वो रसोइया, महिलाएं और युवाओं के साथ अलग-अलग संवाद करेंगे। उन्होंने राज्य की एनडीए सरकार की जमकर आलोचना की और भाजपा पर जदयू को कब्जे में लेने का आरोप लगाया।तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार अब नया चेहरा देएखना चाहता है और नया मुख्यमंत्री देखना चाहता है। बिहार तेज गति से विकास करना चाहता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता ने 20 साल तक नीतीश सरकार को मौका दिया है और अब वो ओल्ड मॉडल हो चुके हैं।

दिल्ली सरकार ने विभागों को एक करोड़ रुपये से अधिक के व्यय के लिए अनुमति लेने के निर्देश दिए

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने अपने विभागों और एजेंसियों को संसाधनों की मौजूदा स्थिति एवं नकदी के बेहतर प्रबंधन के मद्देनजर एक करोड़ रुपये से अधिक के किसी भी व्यय के लिए वित्त विभाग से अनुमति लेने के निर्देश दिए हैं।अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इससे पहले कहा था कि पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार राजधानी में नयी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के लिए खाली खजाना छोड़ गई है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी मौजूदा चुनौतियों के बावजूद दिल्ली के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करेगी।हाल ही में जारी एक आदेश में दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने कहा कि संसाधनों की वर्तमान स्थिति और नकदी प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक करोड़ रुपये से अधिक के किसी भी व्यय के लिए उसकी पूर्व अनुमति आवश्यक होगी।हालांकि, इसमें वेतन, सभी भत्ते (बकाया सहित), मजदूरी, आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, सुरक्षा और स्वच्छता, बिजली और पानी की आपूर्ति से संबंधित व्यय शामिल नहीं होंगे।

ब्रिटिश पीएम ने जेलेंस्की को गले लगाकर किया जोशीला स्वागत, 2.26 बिलियन पाउंड का लोन एग्रीमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से तीखी बहस के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की को यूरोपी देशों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने शनिवार (2 मार्च) को लंदन में गले लगाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान यूक्रेन और ब्रिटेन के बीच 2.26 बिलियन पाउंड (2,48,63,86,46,000 रुपए) के लोन एग्रीमेंट भी हुआ है। इस एग्रीमेंट से न सिर्फ यूक्रेन की रक्षा क्षमता मजबूत होगी, बल्कि उसे आर्थिक मोर्चे पर भी बड़ी राहत मिलेगी। यूक्रेन

और ब्रिटेन के बीच यह समझौता एक तरह से अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जवाब माना जा रहा है। क्योंकि एक दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की की व्हाइट हाउस में तीखी बहस हुई थी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने वलोदिमीर जेलेंस्की को कहा, 'यूक्रेन को यूनाइटेड किंगडम का पूरा समर्थन है। यूक्रेन और ब्रिटेन के बीच हुए लोन एग्रीमेंट में ब्रिटेन की चांसलर रेचेल रीव्स और यूक्रेन के वित्त मंत्री सर्गी मार्चेन्को ने साइन किए हैं। समझौते के अनुसार, लोन की पहली किश्त अगले सप्ताह तक यूक्रेन को मिलने की उम्मीद है। यूक्रेन इस लोन का भुगतान प्रतिबंधित रूसी संप्रभु संपत्तियों से होने वाले मुनाफे से करेगा।

हिमानी नरवाल' की हत्या पर मां और भाई ने जताया शक, प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा के रोहतक में सांपला बस स्टैंड के पास शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल का शव सूटकेस में मिला, जिसने राज्य की कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक उन्हें कोई सबूत नहीं मिला है। इस बीच हिमानी की मां सविता और भाई जतिन का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हिमानी के हत्यारे पार्टी से जुड़े हो सकते हैं।हिमानी की मां ने कहा,

'प्रशासन यहां है। वे क्या करेंगे? वे जो कर सकते हैं, करेंगे। हमें लगता है कि यह (अपराधी) कांग्रेस पार्टी से जुड़ा कोई व्यक्ति हो सकता है। राहुल गांधी की पदयात्रा के ठीक बाद से ही वह कुछ लोगों के लिए एक दुखती रग बन गई थी। कुछ लोगों को आश्चर्य हुआ कि वह इतनी कम उम्र में इतनी जल्दी कैसे आगे बढ़ गई। यह बात आशा हुड्डा जानती थीं, बत्रा साहब और हुड्डा साहब भी जानते थे। यह बात सभी जानते थे।'उन्होंने कहा, 'चुनाव के दौरान वह रात 2 बजे तक काम करती थी। आज एक बार भी वे हमारे पास नहीं आए। मैंने आशा हुड्डा (भूपिंदर सिंह हुड्डा की पत्नी) को फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।'

सूटकेस में मिला कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल का शव, पुलिस ने जांच के लिए पांच टीमें गठित कीं

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की निर्मम हत्या से जिले में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इसके लिए पुलिस ने पांच टीमें गठित की हैं। इस बीच कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। बता दें, हिमानी का शव शनिवार को सांपला बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने बताया कि कुछ राहगीरों ने सूटकेस देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी थी।सांपला थाना निरीक्षक

बिजेंद्र सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा, 'हमें कल सुबह सूचना मिली थी कि बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में एक लड़की की लाश मिली है। लड़की की पहचान हो गई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। हमारी चार टीमें इस पर काम कर रही हैं। हम जल्द ही इस मामले का खुलासा करेंगे। आज पोस्टमार्टम किया जाएगा। हम मामले की जांच कर रहे हैं। हमें इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं दिखता लेकिन हम अपना काम कर रहे हैं।'पुलिस ने बताया कि पीड़िता के गले में दुपट्टा बंधा हुआ था और उसके हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। पुलिस को संदेह है कि रोहतक के विजय नगर इलाके की रहने वाली नरवाल की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की गई है।

बहुजन समाज पार्टी में बड़ा बदलाव, मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाया

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने बीएसपी में बड़ा बदलाव करते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है। रविवार को बीएसपी की अहम बैठक में उन्होंने यह फैसला लिया। मायावती ने पार्टी महासचिव आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को नया नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। जिस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेन्ट पहले है। भाई-बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं।मायावती ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर प्रदेश के बहुजन समाज का विकास न केवल राज्य की प्रगति के लिए बल्कि पूरे देश की उन्नति के लिए जरूरी है। उन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती के आगामी समारोहों की योजनाओं की रूपरेखा भी पेश की और उनकी विचारधारा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।कांशीराम के सिद्धांतों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने कभी भी पार्टी में काम करने वाले परिवार के सदस्यों का विरोध नहीं किया, लेकिन उनका यह स्पष्ट मानना ??था कि अगर उनमें से कोई भी पार्टी या आंदोलन को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके नाम का दुरुपयोग करता है,

सम्राट चौधरी बोले- लालू परिवार ने बिहार को 15 साल में बनाया खटारा, नीतीश ने दिया तेज विकास

एजेंसी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की बधाई दी और कहा कि एक यशस्वी राजनेता को लालू परिवार के गाली देने से उनकी उम्र लंबी हो रही है। वे अभी और 15 साल बिहार की सेवा करते रहेंगे। चौधरी ने कहा कि जैसे 66 करोड़ लोगों को महाकुम्भ आस्था और एकता का सागर दिखा, लेकिन कुछ लोगों को वह फालतू लगा, वैसे ही बिहार में 20 साल में नीतीश सरकार के विकास का शानदार ग्राफ, राजस्व में 15 गुना वृद्धि, 14.5 फीसद की तेज विकास दर और प्रति व्यक्ति आय का 7 हजार बढ़ कर 66 हजार रुपये होना राजद को

कबाड़ लग रहा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने 15 साल में बिहार को जर्जर सड़क, अपहरण उद्योग, बिजली-रहित गांव, जातीय हिंसा और 100 से ज्यादा नरसंहार दिये, उनका परिवार आज विकास का चकाचौंध प्रकाश नहीं देख पा रहा है। चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार के सफल नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से बिहार ने गरीबी-अशिक्षा-बेरजगारी और अपराध के अँधेरे से निकाल कर तेज विकास के प्रकाश की ओर जो यात्रा शुरू की है, उसे बार-बार जनता का आशीर्वाद मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि 2025 के चुनाव में एनडीए 225 सीटें जीत कर लौटेगा। जनता विकास की लय नहीं टूटने देगी।

मशरक के दो युवकों की गोली मार हत्याकांड में पूर्व विधायक ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग

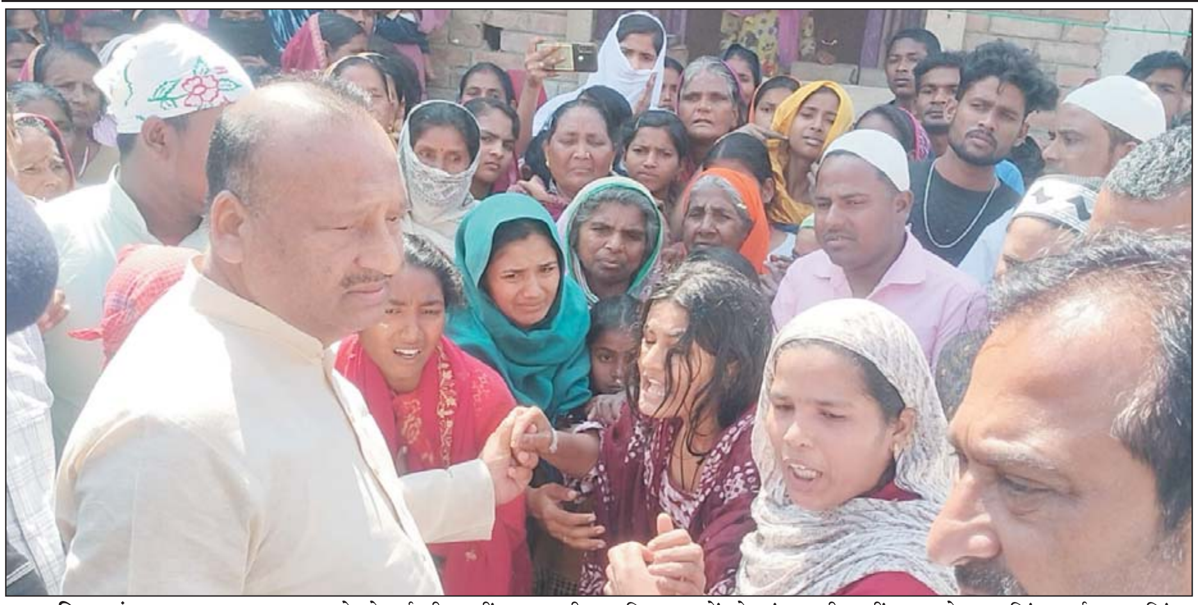

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के कवलपुरा गांव के दो युवकों की जलालपुर में गोली मार निर्मम तरीके से हत्या बीते दिन पहले हो गई थी। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मशरक के पूर्व विधायक तारकेश्वर सिंह ने रविवार को कवलपुरा गांव में पीड़ित परिवार के दरवाजे पहुंच परिवार वालों को सांत्वना दी, वहीं उन्होंने प्रशासन से इस मामले का खुलासा कर दोषियों पर अविलंब कारवाई करने की मांग की। मौके पर मौके पर पैक्स अध्यक्ष तारकेश्वर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सरपंच प्रतिनिधि और पूर्व मुखिया अनिल सिंह, पूर्व मुखिया रणवीर राज, बंगरा पंचायत के उप मुखिया शिवकुमार यादव, शिक्षक नूर आलम, काँग्रेस अल्प संख्यक प्रकोष्ट महासचिव सेराज अहमद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। आपकों बता दें कि मशरक थाना क्षेत्र के कवलपुरा गांव निवासी ईद महमम्द के 30 वर्षीय पुत्र फारूख आलम और सकरीद मियां के 18 वर्षीय पुत्र अशरफ आलम की जलालपुर में निर्मम तरीके से गोली मार हत्या कर दी गई है। वहीं मामले में डीआईजी सारण नीलेश कुमार और एसपी डॉ कुमार आशीष ने विशेष एसआईटी टीम का गठन कर जांच का आदेश दिया है। मृतक फारुख आलम भाईयों में इकलौता है जिसकी शादी सुंदर गांव में 6 महीने पहले ही हुई है। वह नासिक में पोकलेन चलाने का काम करता है जो बीते दिनों पहले ही घर आया था। वहीं मृतक अशरफ अविवाहित हैं और चार भाईयों में दूसरे नम्बर पर है। मशरक थाना पुलिस भी कवलपुरा गांव पहुंच जांच-पड़ताल कर रहीं हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को दी गयी लेखन सामग्री

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

खोदावंदपुर, बेगूसराय। खोदावन्दपुर प्रखंड क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा बाड़ा के शाखा प्रबंधक विश्वजीत कुमार झा ने अपने पूरे टीम के साथ दर्जनों आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के बीच लेखन समाग्री वितरित की. इसकी जानकारी देते हुए शाखा प्रबंधक ने कहा कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत प्रत्येक वर्ष में दो बार इस तरह के कार्यक्रम आयोजित की जाती है और मेरे द्वारा समाज के वंचित वर्ग के बच्चों का चयनित किया गया.साथ ही सागी, दौलतपुर, बाड़ा एवं बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के लगभग दर्जनभर आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीचकॉपी, कलम, पैंसिल, रबड़, चॉकलेट आदि दिया गया. उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बच्चे ही देश के स्वर्णिम भविष्य हैं. इसलिए बैंक ऑफ बड़ौदा नौनिहाल बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को लेखन समाग्रियां उपलब्ध करा रही है. शाखा प्रबंधक ने कहा कि यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा. लेखन सामग्री पाकर छोटे-छोटे बच्चे
3 बैंक ऑफ बड़ौदा
वित्तीय साक्षरता शिविर
काफी प्रफुल्लित हुये. बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा बाड़ा के इस अनोखी पहल को लेकर क्षेत्र के चौक चौराहों व ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी काफी चचाएं हो रही है. मौके पर बैंक अधिकारी राहुल सिंह, जितेन्द्र कुमार, सेविका अनिता कुमारी, वृजवाला कुमारी, सविता कुमारी, ज्योति कुमारी, सुचिता कुमारी, प्रीति कुमारी, सहायिका ममता कुमारी समेत अन्य कर्मी मौजूद थे.

युवाओं को करें प्रेरित और बनाएं विकसित बिहार: विकास वैभव

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसराय नगर परिषद तेघड़ा के स्टेशन रोड अवस्थित ळधर इंस्टिट्यूट ऑफ पारा मेडिकल कैंपस में लेट्स इंस्पायर बिहार के तहत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिस आयोजन में 15 रक्त वीरों ने अपना रक्तदान कर महादानी बने। तत्पश्चात जनसंवाद को लेकर आइपीएस अफसरविकास वैभव ने लोगों से संवाद किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद सदस्यों ने उन्हें फूलमाला व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेपी आंदोलन के सिपाही महेंद्र मालाकार ने किया जबकि संचालन यथार्थ के नीचे सच्चिदानंद पाठक ने की। इससे पहले पूर्व आइजी का गर्मजोशी के साथ युवाओं ने अंग वस्त्र, फूलमाला, बुके व स्मृति चिह्नदेकर स्वागत किया। कार्यक्रम में विकास वैभव ने कहा कि हम सभी को आत्मचिंतन कर अपने पूर्वजों और धरोहरों के बारे में सोचने की जरूरत है। युवा अपनी उर्जा को संघर्ष नहीं, बल्कि सेवा और सहयोग में लगाएं। जाति-धर्म से उठकर एक-दूसरे का सहयोग और जागरूक कर ही हम खुद, समाज और बिहार को आगे बढ़ा सकते हैं ाशिक्षा, समता और उद्यमिता के लिए बिहार को जागरूक करना जरूरी है, तभीअपनी शक्ति का एहसास होगा. ह्हलेट्स इंस्पायर बिहारह्ह मुहिम की ओर से आयोजित युवा संवाद में विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुहिम का उद्देश्य अपने बिहार के गौरव के बारे में नई पीढ़ी को बताना है। उन्हें अपने क्षेत्र के गौरवशाली परंपरा को बताते हुए उसकी तरफ अग्रसर करना है।

तेघड़ा बीआरसी में 210 को मिला नियुक्ति पत्र

तेघड़ा बीआरसी में सक्षमता टू पास शिक्षकों को मिली नियुक्ति पत्र, दूसरी ओर शिक्षिका को दी गई विदाई

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगूसरायतेधड़ा प्रखंड मुख्यालय में सक्षमता - टू परीक्षा पास शिक्षकों के बीच औपबंधिक नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। नियुक्ति पत्र वितरण के लिए बीईओ राम उदय महतो के द्वारा बीआरसी तेघड़ा में चार काउंटर बनाए गए थे। इसमें पहले काउंटर पर प्रथम से लेकर पांचवीं तक के लिए दिनेश प्रसाद सिंह वीआरपी को प्रतिनियुक्त किया गया था। दूसरे काउंटर पर 11वीं एवं 12वीं तक के लिए गुलाम नबी बीआरपी को, तीसरे काउंटर पर छठी से आठवीं तक के लिए अनिल कुमार राय, लेखपाल को जबकि चौथे काउंटर पर नौवीं एवं दसवीं के लिए बीआरपी किरण कुमारी को प्रतिनियुक्त किया गया था। तेघड़ा बीआरसी पर 219 सक्षमता-टू पास शिक्षकों में से देर शाम तक 210 शिक्षकों ने नियुक्ति पत्र प्राप्त किया। बीईओ ने बताया कि बचे हुए शिक्षकों को नियुक्ति पत्र अगले दिन दिया जाएगा।

नन्हें बच्चों ने रोजा रखा, देश में अमन चैन के लिए दुआ की

रोजनामा इंडो गल्फ
प्रखंड संवाददाता
आसिफ अली

पूसा (समस्तीपुर)। मोहम्मदपुर कोआरी पंचायत के खान टोला में दो जुड़वा भाई बहन ताहा खान और जुनैरा खान ने 6 वर्ष की उम्र में पहला रोजा रखकर नजीर पेश की है। इतने कम उम्र में रोजा रखना एक बहुत बड़ी बात होती है, रोजा का महीना बरकत का महीना होता है लोगों को इस बच्चे ने पैगाम दिया है कि इस महीने में रोजा रखें। दोनो बच्चों ने मुल्क में अमन चैन के लिए अल्लाह से दुआ की।

नन्हीं बच्चियों ने रोजा रखकर रचा इतिहास, माता-पिता हुए बहुत खुश,

विशेष संवाददाता,
रोजनामा इंडो गल्फ

हसनपुरा, सिवान/सिवान के हसनपुर में दो नन्हीं बच्चियों ने रोजा रखा, एक बच्ची का नाम हुमैरा फातिमा उम्र लगभग 7 वर्ष पिता हाफिज मोहम्मद वजीर आजम तो दूसरी बच्ची का नाम किंजा फातिमा उम्र लगभग 7 वर्ष पिता का नाम रजले आलम दोनों बच्ची बहुत ही शिद्दत से शहरी के वक्त उठकर अपने मां को कहने लगी कि मैं रोजा रखूंगी माता-पिता के लाख मना करने के बावजूद दोनों बच्चियों ने सेहरी खाया और पूरे दिन अल्लाह के इबादत कि शाम को दोनों बच्चियों की हालत बहुत ही खराब हो चुकी थी फिर भी उन लोगों ने रोजा को नहीं तोड़ा और पूरे दिन अल्लाह और अल्लाह के रसूल के बताए हुए रास्ते पर चलते हुए रोजा मुकम्मल किया,

गैरेज में फंदे से लटका मिला युवक का शव, पिता बोलें- हत्या के बाद टांगा गया है, पैसों की लेने-देन में मर्डर की आशंका

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/मुसरीघरारी :- मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर एलौथ के वार्ड संख्या-44 में राजकुमार शर्मा के गैरेज से एक 35 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान स्व. सूर्य नारायण झा के पुत्र रमंत कुमार झा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के चाचा विजय झा ने बताया कि रमंत कुमार कल शाम घर से निकला था। उसका फोन बंद आ रहा था और वह घर नहीं लौटा। उन्होंने आरोप लगाया कि रमंत की हत्या की गई है। वह ब्याज पर पैसा लगाने का काम करता था। संभवतः पैसों के लेनदेन में किसी विवाद के कारण उसकी हत्या कर शव को गैरेज में टांग दिया गया।

इधर मुसरीघरारी थानाध्यक्ष फैजुल अंसारी ने बताया कि सुबह पुलिस को शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। उन्होंने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। अभी तक परिवार की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

समस्तीपुर-रोसड़ा रेलखंड पर सिंघिया घाट स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से शख्स की मौत, टहलने निकला था घर से

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : समस्तीपुर-रोसड़ा रेलखंड के सिंघिया घाट स्टेशन के पास सुबह टहलने निकले व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कापन वार्ड संख्या-4 निवासी शंकर प्रसाद के रूप में हुई। वह जगेश्वर महतो का बेटा था। परिजनों के अनुसार, शंकर पिछले 6 महीनों से मानसिक रोगी था।

घटना की जानकारी तब मिली जब देर होने पर मृतक का बड़ा बेटा राहुल कुमार उन्हें खोजने निकला। स्टेशन पर पहुंचकर उसने अपने पिता के शव की पहचान की। परिवार में तीन भाई-बहन हैं। रेल थाना अध्यक्ष राजेश पासवान ने बताया कि शव की पहचान हो चुकी है। रेल प्रशासन आगे की कार्यवाही में जुटा है। घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। करीब एक घंटे तक शव की पहचान नहीं हो पाई थी।

पत्रकार के दादा का लंबी बीमारी के बाद निधन, शोक

विशेष संवाददाता,
रोजनामा इंडो गल्फ

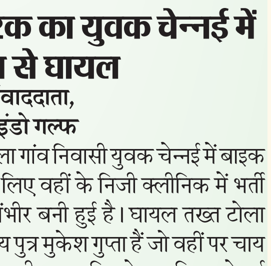

मशरक थाना क्षेत्र के एकावना गांव निवासी पत्रकार कन्हैया सिंह के दादा सुरेश्वर सिंह का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वो 80 वर्ष के थे और वे जन वितरण प्रणाली के दुकानदार भी रहें हैं। उनके निधन की सूचना के बाद क्षेत्र समेत पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड़ गई। सभी ने उनके घर पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पत्रकार ने बताया कि वो काफी समय से बीमार चल रहे थे। गांव में शोक ? सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर पत्रकार दिनेश सिंह,संजय सिंह,हरिकिशोर सिंह, प्रकाश सिंह, विक्की बाबा,हरे राम राय, धर्मेंद्र पांडेय,ओम प्रकाश सिंह, रोहित कश्यप, श्याम बिहारी सिंह,पंकज सिंह समेत पूर्व मुखिया रणवीर राज, दिनेश कुमार सिंह, विकास सिंह, पैक्स अध्यक्ष मुन्ना सिंह, अजीत सिंह, शशीकांत सिंह, विशाल सिंह समेत अन्य मौजूद रहें। मृतक के पुत्र फूल बाबू सिंह ने विधि विधान से आग दिया।

बाइक दुर्घटना में मशरक का युवक चेन्नई में गंभीर रूप से घायल

विशेष संवाददाता,
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के तख्त टोला गांव निवासी युवक चेन्नई में बाइक दुर्घटना में गंभीर हालत में इलाज के लिए वहीं के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल तख्त टोला गांव निवासी संजय साह का 30 वर्षीय पुत्र मुकेश गुप्ता हैं जो वहीं पर चाय नाश्ते की दुकान चलातें हैं। वहीं घटना की सूचना मिलने पर परिजन चेन्नई के लिए निकल चुके हैं।

होली को लेकर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में हुआ विस्तार, यहां देखें पूरी लिस्ट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा को लेकर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है। गाड़ी सं. 05283 मुजफ्फरपुर- आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब मुजफ्फरपुर से 7 मार्च से 28 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को की जाएगी। गाड़ी सं. 05284 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे आनंद विहार से अब 8 मार्च से 29 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को की जाएगी।गाड़ी सं. 05219 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब मुजफ्फरपुर से 8 मार्च से 29 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को की जाएगी। गाड़ी सं. 05220 आनंद विहार- मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे आनंद विहार से अब 9 मार्च से 30 मार्च तक प्रत्येक रविवार को की जाएगी। गाड़ी सं. 05577 सहरसा-आनंद विहार स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब सहरसा से 2 मार्च से 31 मार्च तक गुरूवार एवं शनिवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी। गाड़ी सं. 05578 आनंद विहार- सहरसा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब सहरसा से 4 मार्च से 2 अप्रैल तक शनिवार एवं सोमवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन की जाएगी।

जिला अध्यक्ष मो अबू तमीम की अध्यक्षता कांग्रेस कमिटी की बैठक सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को जिला कांग्रेस कमिटी की एक बैठक की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मो अबू तमीम ने की। जिसमें जिला के पदाधिकारी, जिला कार्यकारणी के सदस्य, विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से नियुक्त प्रभारी नरेश भारद्वाज ने भाग लिया। बैठक में इस नारे को साकार करने हेतु कांग्रेस चली गांव एवं प्रमुख कांग्रेसजनों के द्वार तक प्रत्येक प्रखंड एवं गांव का दौरा कर संगठन को सुदीर्घ करने का काम करेगी। इस कार्यक्रम में प्रभारी स्वयं गावों में उपस्थित रहेंगे। बैठक में जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष देवेंद्र नारायण झा, राम उदगार महतो, विजय शंकर शर्मा, महेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष नीरज

कुमार राय, महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, सतीश चंद्र चौधरी, लाल नारायण ठाकुर, ठाकुर मनोज भारद्वाज, उपेंद्र नाथ तिवारी, कन्हैया कुमार, सोनी पासवान, नगर अध्यक्ष डोमन राय, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मालिक, शंभु प्रसाद सिंह, कपिलेश्वर कुंवर, आशुतोष कुमार, संजय झा, फि रोज अंसारी, सुरेश कुमार महतो, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष देविता कुमारी गुप्ता, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी, अभिनव अंशु, राजन कुमार वर्मा, कामेश्वर पासवान, विश्वनाथ सिंह हजारी, मो मोहीउद्दीन, उदय केतु चौधरी, निर्भय कुमार चौधरी, डॉ संतोष कुमार यादव, अरुण मिश्रा, जय प्रकाश सिंह, एस के वर्मन सहनी, संजीव कुमार ठाकुर, दिलदार हुसैन आदि मौजूद थे। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से नियुक्त प्रभारी नरेश भारद्वाज ने भाग लिया। बैठक में इस नारे को साकार करने हेतु कांग्रेस चली गांव एवं प्रमुख कांग्रेसजनों के द्वार तक प्रत्येक प्रखंड एवं गांव का दौरा कर संगठन को सुदीर्घ करने का काम करेगी।

मशरक में बिजली चोरी के मामले में जेइ ने एक दर्जन पर दर्ज करायी प्राथमिकी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में बिजली विभाग द्वारा छापेमारी करते हुए एक दर्जन लोगों पर बिजली चोरी करने के आरोप में फाइन करते हुए जेई अभिषेक कुमार ने प्राथमिकी दर्ज करवायी है. इस संबंध में जेइ अभिषेक कुमार ने बताया कि जिले से मिले निर्देश के आलोक में विशेष छापेमारी दल ने अभियान चलाया जिसमें चांद कुदरिया गांव निवासी खालिद राजा, सुंदर गांव निवासी विश्वनाथ शर्मा,सिउरी गांव निवासी मंजू देवी, कर्ण कुदरिया गांव निवासी मोख्तार राय व छोटेलाल राय, डुमरसन निवासी शिवजी शर्मा, पदमौल निवासी विकाश कुमार व कुंदन कुमार कुशवाहा, बंगरा निवासी संजीत कुमार, बहरौली निवासी गयासुद्दीन, मठिया निवासी दिलीप कुमार साह, मशरक मलमलिया रोड निवासी राजीव कुमार पर विधुत अधिनियम 2003 धारा 130 के तहत चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए जुमार्ना लगाया गया।

आर्म्स एक्ट के आरोपी को पुलिस ने भेजा न्यायिक हिरासत में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर थाना कांड संख्या 47/25 दिनांक 02/03/25 आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त अभिनाश कुमार पिता स्वर्गीय राजकुमार महतो ग्राम सिरौल थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को ग्राम भोलटोल से अवैध देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया। इधर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने कागजी प्रक्रिया के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

छपरा में आध्यात्मिक होली महोत्सव सह पत्रकार अभिनन्दन समारोह का हुआ आयोजन

माउंट आबू में प्रतिवर्ष होने वाले मीडिया कार्यशाला में सामूहिक रूप में शामिल होने के लिए किया आह्वान: डॉ विद्या भूषण श्रीवास्तव

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान द्वारा रविवार को छपरा शहर स्थित स्थानीय सेवा केंद्र में आध्यात्मिक होली मिलन सह पत्रकार भाई बहनों का अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारी संस्थान के भाई बहनों के साथ पत्रकार साथियों ने आध्यात्मिक होली का आनंद उठाया और सभी ने एक दूसरे को आत्म- स्मृति का तिलक लगाया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसमें सारण जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष डॉ विद्याभूषण श्रीवास्तव, सेवा केंद्र संचालिका बीके अनामिका दीदी, किशोर कुमार, राजू जायसवाल, धर्मेंद्र कुमार रस्तोगी, संजय कुमार, रंजीत भोजपुरिया, रंजीत सिंह, बीके प्रियांशी बहन, बीके आराधना बहन, बीके अर्पणा बहन, बीके निर्मला बहन, बीके प्रिया बहन, बीके पिंकी बहन, बीके सचिन भाई, बीके बंटी भाई और बीके अशोक भाई सहित सभी पत्रकार साथी शामिल हुए। इसके बाद कार्यक्रम के दौरान एक छोटी बच्ची सोना के द्वारा आध्यात्मिक गीतो के माध्यम से सभी को ईश्वरीय संदेश देने के साथ- साथ

मनोरंजन भी किया गया। सेवा केंद्र की प्रभारी बीके अनामिका दीदी ने होली के आध्यात्मिक रहस्य को उजागर करते हुए कहा कि होली पर्व का सच्चा अर्थ इसके नाम में ही समाया हुआ है। हालांकि होली के कई अर्थ हैं। कहा गया है होली अर्थात पवित्र। यह त्योहार हमें मन- वचन- कर्म की पवित्रता का संदेश देता है। महाशिवरात्रि के कुछ दिनों के बाद ही होली मनाई जाती है, क्योंकि जब परमात्मा शिव का इस धरा पर अवतरण होता है और उस परमपिता से जब हमारा सच्चा परिचय होता है, उनसे संबंध का अनुभव होता है तो परमात्मा द्वारा हमें पवित्र भवः, योगी भवः का वरदान प्राप्त होता है। कहा गया है कि परमात्मा शिव आकर अपने 'संग का रंग' यानी ज्ञान-योग का रंग मनुष्य आत्मा को देते हैं। इसी की याद में शिवरात्रि के बाद होली मनाई जाती है। जैसे अंतरात्मा के बिना शरीर बेकार हो जाता है, वैसे ही अध्यात्मिक अर्थ समझे बिना त्योहार मनाना भी बेकार है।

वस्तुतः भारत में जो भी त्योहार मनाए जाते हैं, उनमें एक ज्ञान-युक्त क्रम भी है। अपने अनुभव बताते हुए वरीय पत्रकार डॉ विद्याभूषण श्रीवास्तव ने कहा कि आध्यात्मिक होली वास्तव में परमात्मा अवतरण का उत्सव है जो मनुष्यों के मन से देह अभिमान, अहंकार, विकार और बुराइयों का अज्ञान-अंधकार मिटाने का उत्सव है। आज के वर्तमान परिवेश में व्यस्तम जीवनचर्या के बीच कुछ पल शांति के लिए निकालना बेहद जरूरी है जिससे आम जनमानस में शांति सद्भाव स्थापित हो सके। उन्होंने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय संस्थान एक आध्यात्मिक संस्थान है जो विश्व के लगभग 137 देशों में संचालित है उन्हीं वैश्विक केंद्रों में एक माउंट आबू जो कि राजस्थान में स्थित है वहां सभी को अपने परिवार के साथ एक बार जाना चाहिए जिससे उन्हें आध्यात्मिक जीवन के साथ साथ शान्तिपूर्ण जीवन जीने की कला को सीखने का मौका मिलेगा। ऐसे भी वर्ष में कई बार लोग अलग अलग जगहों पर भ्रमण के लिए जाते है। उन्होंने सभी साथियों से आह्वान किया माउंट आबू में प्रतिवर्ष होने वाले मीडिया वर्कशॉप में सामूहिक रूप में छपरा के पत्रकार साथियों को चलना चाहिए। पत्रकार राजू जायसवाल के द्वारा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे मेडिटेशन से पत्रकार साथियों को जोड़ने की मांग की गई।

नशेबाज समेत दो गिरफ्तार, भेजे गये हवालात

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना के पुलिस ने नशे की हालत में हंगामा कर रहे दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया कि सू चना मिलने पर जब पहुँचे तो नशे की हालत में एक व्यक्ति हंगामा कर रहा था। जब पुलिस पहुंचे तो भागने लगा जिसे खदेड़ कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति पवन कुमार धनबाद जिला के धनबाद थाना क्षेत्र के रहने बाला बताया गया है, जो अपने रिश्तेदार के यहां आया हुआ था। इसके बाद पुलिस ने भादोघाट चौक से नशेबाज बलबीर कुमार मांझी को गिरफ्तार किया, यह न्यूरी घाट सिंघिया थाना के रहने बाला बताया गया है। दोनों को थाना अध्यक्ष ने कागजी प्रक्रिया के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बदलो सरकार बचाओ बिहार सीपीएम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लोकल कमिटी कल्याणपुर - वारिसनगर का बैठक मुक्तापुर पंचायत भवन पर लाला प्रसाद के अध्यक्षता में शाह जफर इमाम के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।बैठक में लोगों को संबोधित करते हुए अंचल मंत्री राघवेंद्र यादव ने पार्टी के कई जोरदार संघर्ष का चर्चा किया। उन्होंने कहा पिछले दिनों शोषण जुर्म और अत्याचार के खिलाफ गरीब-गुरबा शोषित-पीड़ित के हक के लिए कल्याणपुर व वारिसनगर के क्षेत्र में जोरदार संघर्ष चलाया गया है। जिससे पार्टी का विकास तेजी से हुआ है। आगामी 20 मार्च को जिला मुख्यालय समस्तीपुर में सीपीआई और सीपीएम के संयुक्त विशाल प्रदर्शन का युद्ध स्तर पर तैयारी का निर्णय लिया गया है। जिसमें जनता का मुख्य सवाल 200 यूनिट बिजली फ्री, किसानों का कर्ज माफ, नौजवानों को रोजगार, बढ़ते अपराध पर लगाम, हत्या बलात्कार लूट और सामाजिक अन्याय के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा। सभी लोगों ने मिलकर यह फैसला लिया कि लगभग 10000 की संख्या में लोगों के प्रदर्शन में कल्याणपुर वारिसनगर से भी 1000 लोग भाग लेंगे। साथ ही पार्टी के द्वारा टोला-मोहल्ला में जाकर लोगों के बीच मीटिंग करके सरकार की नाकामी को बताना है। आगामी आने वाला विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार को जनता के वोट से उखाड़ फेंकने की तैयारी करना है।बैठक में नवीकरण पर फैसला लिया गया कि आगामी 10 मार्च तक सभी सदस्य का नवीकरण कर जिला केंद्र को जमा कर दिया जाय। बैठक में राघवेंद्र यादव,सुरेंद्र पासवान, शिवनाथ महतो, शिवकुमार गुप्ता, मो जहांगीर इत्यादि लोगों ने भाग लिया।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

24 घंटे के अंदर फिरौती हेतु अपहरण कांड का उद्भेदन कर अपहृत को किया गया बरामद

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- मुख्य षड़यंत्रकर्त्ता सहित 02 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।

छपरा,दिनांक- 28.02.25 को दिघवारा थाना को सूचना प्राप्त हुई कि थानान्तर्गत राई पट्टी निवासी दीपक कुमार, पिता- अरविंद कुमार गुप्ता, साकिन राई पट्टी, थाना- दिघवारा, जिला-सारण के भतीजे आदित्य कुमार, उम्र करीब 13 वर्ष का अपहरण कर लिया गया है एवं अपहत को मुक्त करने के एवज में 25 लाख रुपए फिरौती की मांग की जा रही है तथा फिरौती न देने पर अपहत को जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। इस संबंध में वादी के लिखित आवेदन के आधार पर दिघवारा थाना कांड सं0-62/25, दिनांक 01.03.25, धारा-137 (2)/140 (1) बी०एन०एस० दर्ज किया गया। तकनीकि अनुसंधान एवं मानवीय आसूचना तथा संदेह के

आधार पर अपहत बालक की माँ बबीता देवी को पूछ-ताछ हेतु थाना लाया गया एवं पूछ-ताछ में बबीता देवी ने इस अपहरण की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की एवं बतायी की पैसे के लिए अपने प्रेमी नीतिश कुमार उर्फ निक्कू, पिता- अशोक कुमार, साकिन- कुरथौल, थाना- परसा बाजार, जिला- पटना के साथ मिलकर षड़यंत्र के तहत अपने बेटे का अपहरण कर पटना के कुरथौल में अपने प्रेमी नीतिश कुमार के पास छुपाई है। गिरफ्तार बबीता देवी के निशानदेही पर अपहत बालक आदित्य कुमार, पिता- राजेन्द्र प्रसाद, साकिन- राई पट्टी, थाना दिघवारा, जिला सारण को बरामद किया गया तथा नीतिश कुमार उर्फ निक्कू को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। साथ ही फिरौती मांगने हेतु प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं अभियुक्त बबीता देवी का मोबाइल फोन जप्त किया गया है।

भाजपा नेता केशव शांडिल्य के हाथों कबड्डी टूनामेंट विजेताओं को मिला पुरस्कार

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बरौनी/ बेगूसराय किउल गांव गढहरा कबड्डी प्रीमियम लीग टूनार्मेंट के विजेता टीम सिमरिया के पुरुष टीम एवं महिला टीम को भाजपा नेता केशव शांडिल्य के हाथों से मिला पुरस्कार कबड्डी टूनामेंट लीग का आयोजन अमित कुमार ठाकुर जी ने किया मौके पर जन सुराज के प्रदेश कार्य समिति सदस्य वार्ड पार्षद कुमार गौतम , श्रीमती संगीता जी , भाई जीत जी , गोपी मुखिया जी , अरविंद मुखिया जी , सचिन मेहता जी, थे ।

अतिक्रमण के नाम पर महादलितों को निशाना बना रहा नगर प्रशासन

अनुमंडल कार्यालय परिसर में महादलित परिवार से बातें करते उपभोक्ता संरक्षण समिति के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजीव भारती

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसराय तेघड़ा नगर परिषद में हटाए जा रहे अतिक्रमण को लेकर उपभोक्ता संरक्षण समिति के प्रदेश अध्यक्ष संजीव भारती ने तेघड़ा एसडीओ से मुलाकात की एवं आठ बिंदुओं पर अपनी बात रखी। इनमें पेभर ब्लाक लगाए जाने का मामला उठाया। कहा, महादलित और पिछड़ों को निशाना बनाया जा रहा है। कार्यपालक पदाधिकारी ने उनसे कहा कि पेभर ब्लाक लगाए जाने कार्य के जिम्मेदार चेयरमैन और सशक्त कमेटी है। कार्यपालक पदाधिकारी ने कैंची मोड़ महादलित परिवार को गलत तरीके से नोटिस भेजा है। बिना कोरम पूरा किए अस्थाई अतिक्रमण केबदले स्थाई अतिक्रमण को उजाड़ दिया गया। अतिक्रमण मुक्ति की आड़ में एक भी अमीर लोगों के पक्के मकान नहीं तोड़े गए। डा. भारती ने कहा कि स्टेशन रोड में महादलित परिवार को भी उजाड़ने की साजिश की गई है। इस पर समिति संज्ञान ले रही है। एसडीओ ने भूमिहीन को जमीन उपलब्ध करवाकर अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया।

कार्यपालक पदाधिकारी ने उनसे कहा कि पेभर ब्लाक लगाए जाने कार्य के जिम्मेदार चेयरमैन और सशक्त कमेटी है। कार्यपालक पदाधिकारी ने कैंची मोड़ महादलित परिवार को गलत तरीके से नोटिस भेजा है। बिना कोरम पूरा किए अस्थाई अतिक्रमण केबदले स्थाई अतिक्रमण को उजाड़ दिया गया

टिकट बटबारे में जनाधार वाले व्यक्ति को मिलेगी तरजीह- अल्लावारू

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दरौली/सिवान पटना 2 मार्च, 2025 आज कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के द्वारा ह्यसंविधान बचाओ एवं बिहार बचाओह्ल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के लिए केन्द्रीय नेतृत्व के कई प्रतिनिधि खास रूप से मौजूद रहे। वक्ताओं ने भाजपा सरकार को संविधान के लिए खतरा बताया और इसके खिलाफ जंग का एलान किया। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने तीन बातें कही। एक, संगठन में पिछड़ा एवं अति पिछड़ों की भागीदारी और हिस्सेदारी में सुधार होगा। दूसरा, विधान सभा चुनाव के लिए टिकटों के बटबारे में उनको तरजीह दी जायेगी जो जिताऊ हैं, जिनका जनाधार है और जो जनता के बीच रहते हैं। उन्होंने हिदायत दी कि नेता, कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय की परिक्रमा करना छोड़ दें। तीसरा, संगठन को मजबूत बनाने के लिए जिलों, प्रखंडों स्तर पर काम करने की जरूरत है। प्रदेश अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि इस

तरह का आयोजन मुख्यालय के हॉल में न करके खुले मैदान में होनी चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग पार्टी की विचारधारा से अवगत हो सकें। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछड़ों, अति पिछड़ों और दलितों के हित में काम करती रही है। आगे कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने 70 में से 33 सीट इन वर्गों को दी थी। अपने सम्बोधन में ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव ने कहा कि किस तरह मोदी सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर निकाल कर उनके बदले अमित शाह को शामिल कर लिया। कैप्टन यादव ने पिछड़ी जातियों से आने वाले सभी नायकों को सम्मान देने की बात कही। इसके अलावा बिहार कांग्रेस के प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम एवं सुशील पासी ने भी सम्मेलन को सम्बोधित किया।

सम्मेलन का संचालन ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग चन्दन ने किया।कार्यक्रम में डा0 मदन मोहन झा, राजेश कुमार, प्रतिमा कुमारी दास, प्रेमचन्द्र मिश्रा, अली अनवर, राज कुमार राजन, बंटी चौधरी, कैलाश पाल, डा0 विनोद कुमार यादव, सरवत जहां फातिमा, ज्ञान रंजन, मंजीत आनन्द साहू, सूरज यादव, शशि रंजन, गुंजन पटेल, रूपम यादव, रवि गोल्डेन, दुर्गा प्रसाद, उदय शंकर पटेल, नीतू सिंह निषाद, मिथिलेश शर्मा मधुकर, अब्दुल बांकी सज्जन, मो0 कामरान, सुदय शर्मा, राजेन्द्र चौधरी,, वैद्यनाथ शर्मा, नदीम अंसारी, फिरोज हसन सहित ओबीसी विभाग के प्रदेश स्तर के सभी पदाधिकारी एवं जिला एवं प्रखंड स्तर के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सक्षमता परीक्षा का बहिष्कार जारी रहेगा - प्रकाश कुमार

दो महीने से लंबित बेतन भुगतान नहीं होने पर शिक्षकों मे है आक्रोश:मो अरमान अली

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई सीतामढ़ी की बैठक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिलाध्यक्ष प्रकाश कुमार की अध्यक्षता में डुमरा हवाई अड्डा मैदान के प्रांगण में आयोजित की गई । संचालन संघ के जिला महासचिव मधुरेंद्र नारायण यादव ने किया। बैठक में सर्व सम्मति से सक्षमता परीक्षा बहिष्कार का निर्णय लिया गया। उपस्थित सभी शिक्षकों ने कहा कि जबतक सेवा में निरंतरता एवं प्रोन्नति नहीं दी जाएगी तबतक सक्षमता परीक्षा का बहिष्कार जारी रहेगा। साथ ही सीतामढ़ी के नियोजित शिक्षकों के वेतन भुगतान का मुद्दा गरमाया रहा । ज्ञात हो कि सर्व शिक्षा अभियान की राशि उपलब्ध रहते हुए अबतक जनवरी माह का भुगतान नहीं किया गया है जो बहुत ही निंदनीय है । बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि वेतन भुगतान एवं दर्जनों शिक्षकों के चिकित्कीय अवकाश का भुगतान, अंतर राशि का भुगतान महीनों से आकर स्थापना कार्यालय में लटका हुआ है जो स्थापना कार्यालय के शोषणकारी कार्यशैली को प्रदर्शित करता है । जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के पत्र का भी अनुपालन प्रखंड में पदस्थापित शिक्षा पदाधिकारी नहीं करतें है । इसका नमूना है कि तकरीबन एक माह पहले सेवा पूर्व प्रशिक्षित शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर करने का आदेश सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को पत्र के माध्यम से दिया गया था बावजूद अबतक किसी भी प्रखंड में वेतन निर्धारण नहीं करना खेदजनक है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिलेभर के शिक्षकों के ई पी एफ की राशि शिक्षकों के वेतन से कटौती कर ली गई है परंतु अबतक राशि ई पी एफ अकाउंट मे जमा नहीं किया है । इसके लिए लगातार संघ द्वारा डी पी ओ स्थापना सुभाष कुमार जी से कई बार आग्रह भी कर चुका है । उपरोक्त समस्या समाधान के लिए संघ ने निर्णय लिया है कि सभी समस्याओं का समेकन कर समस्या समाधान हेतु जिलाधिकारी सीतामढ़ी को प्रतिवेदन समर्पित करते हुए समाधान का आग्रह किया जाएगा। यदि समस्या समाधान नहीं हुआ तो जिलाधिकारी के समक्ष शिक्षक आंदोलन करने हेतु विवश होंगे । बैठक में मुख्य रुप से जिला वरीय उपाध्यक्ष राम बाबू ठाकुर , सुरेंद्र कुमार , लालधारी पासवान, जितेंद्र राम , मो0 कमरुद्दीन नदाफ, रामऔतार सहनी , रविरंजन कुमार , राम पुकार भंडारी , अजय राज , उपेंद्र साफी , नितिश अनुराग, हृदय नारायण भारती, नरेन्द्र नाथ ठाकुर , सुजित कुमार झा ,वर्खा रानी , बच्ची देवी , आरती कुमारी , अंजू कुमारी , सीता देवी , उर्मिला कुमारी , अनिल कुमार यादव , राम बाबू ठाकुर , हरिश्चंद्र कुमार , हरिकिशोर राम , संजय कुमार , सुमन कुमार, सम्स कमर आरजू ,गणपति चौधरी , रामा कुमारी , सुर्यनारायण मंडल , बिनोद कुमार झा सहित दर्जनों शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे ।

कोचिंग से छात्रा के भगाने के आरोप में कोचिंग संचालन और उनके पुत्र पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान दुरौंधा 2 मार्च रविवार। दुरौंधा थाना क्षेत्र के हाथोपुर गांव निवासी प्रेम प्रकाश राय ने दुरौंधा थाना में आवेदन देकर अपनी पुत्री अनुराधा कुमारी को कोचिंग संचालक के पुत्र नीरज कुमार पर अपनी पुत्री अनुराधा कुमारी को बहला फुसला कर भगाने का आरोप लगाया है। अपने दिए आवेदन में उन्होंने लिखा है मेरी पुत्री अभी नाबालिग है जो दुरौंधा मांटेसरी स्कूल में हाथोपुर गांव निवासी रामशरण माझी कोचिंग संचालन करते है। जिसमें कोचिंग संचालक का पुत्र नीरज कुमार भी पढ़ता है और मेरी पुत्री अनुराधा कुमारी भी पढ़ती हैं। जिसको अंतर जातीय शादी का करने पर लालच का प्रलोभन दे कर दिनांक,27 फरवरी को भगाने का आरोप पिता और पुत्र पर लगाया है। जिसकी प्राथमिकी दुरौंधा थाना प्रभारी श्री छोटन कुमार ने 96/137(2) एक्ट के तहत थाना कांड संख्या 101/25 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबला का आयोजन

मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने विजेता टीम के कप्तान को और उपविजेता टीम के कप्तान को ट्रॉफी प्रदान किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' ओम प्रिंस स्मृति क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबला का आयोजन रविवार को किया गया. इसका उद्घाटन मुखिया संघ के जिला महासचिव राष्ट्रपति कुमार ने किया.इस अवसर पर चक्का ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया.निर्धारित 20 ओवर में 179 रन बनाया.चक्का की ओर से रामप्रीत ने 57 रन की पारी खेली.जवाब में समसा की टीम 19.4 ओवर में 7 विकेट खोकर मैच जीत लिया.समसा की ओर से विकाश ने नाबाद 52 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी. मैन ऑफ द मैच विकास कुमार को दिया गया.वहीं मैन ऑफ द सीरीज राजा विशाल को दिया गया. मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने विजेता टीम के कप्तान को और उपविजेता टीम के कप्तान को ट्रॉफी प्रदान किया.इस अवसर पर सन्नी कुमार सिंह, मनीष पाठक मृत्युंजय कुमार आदि

नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा NDA

जहानाबाद में भाजपा सांसद भीम सिंह ने लोगों से हुंकार सम्मेलन जुड़ने की अपील की

जहानाबाद। भाजपा के राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने जहानाबाद में किया है। जब उनसे तेजस्वी यादव की लोकप्रियता को लेकर सवाल है। उन्होंने बताया कि सत्ता में उचित भागीदारी न होने के कारण

4 महीने से लापता नाबालिग सूरत से बरामद

शेखपुरा। के हथियावां थाना क्षेत्र से चार माह पहले अपहत हुई नाबालिग 10वीं की छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी रोशन कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस सब इंस्पेक्टर सुरेश प्रसाद के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। थाना प्रभारी सुरेश प्रसाद ने बताया कि आरोपी रोशन कुमार खलासपुर गांव निवासी सुनील यादव का पुत्र है।

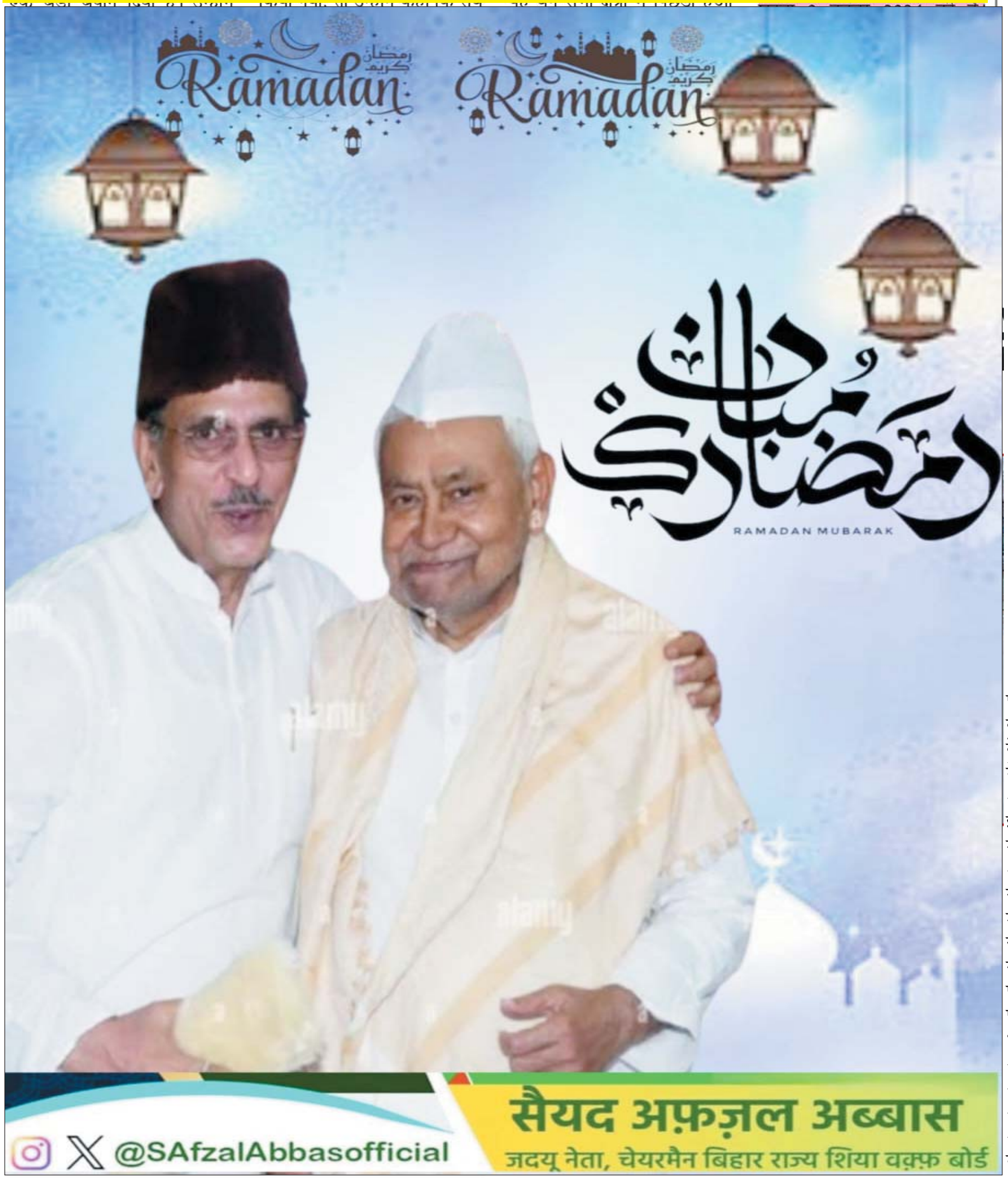

नाबालिक से देह व्यापार करवाने के मामले में 2 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। के नगर थाना क्षेत्र की एक किशोरी को जबरन गलत काम में धकेलने के केस में पुलिस ने चंदा खातून व मुन्नी खातून को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों महिलाओं पर आरोप है कि नाबालिग को नशा देकर शोषण करवाती थी। पीड़िता ने वर्ष 2014 में नगर थाने में एफआईआर फर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि वह नगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में बहन के साथ रहकर घरेलू काम करती थी। उसकी मुलाकात चंदा खातून व मुन्नी खातून से हुई। पीड़िता ने बताया था कि आरोपी महिला ने उसे बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया। फिर नशा देकर जबरन गलत काम के लिए मजबूर किया। इसका विरोध करने पर जान से मार देने की धमकी देकर प्रताड़ित किया गया। पीड़िता ने महिला विकास केंद्र की एक सामाजिक कार्यकर्ता को अपनी आपबीती सुनाई। जिसके बाद केस दर्ज किया गया। लेकिन आरोपी फरार हो गए थे। हाल में पुलिस को इनके ठिकाने का पता चला, जिसके बाद छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। साक्ष्य के आधार पर आरोपी गिरफ्तार नगर थानेदार शरत कुमार ने बताया कि पुराना केस है। इसकी समीक्षा की गई तो पाया गया कि इसमें तो केस के बाद से ही कोई कार्रवाई नहीं हुई। साक्ष्य के आधार पर जांच कर मामले में दोनों महिला आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

संक्षिप्त डायरी

पार्किंग विवाद में युवक के मुंह में मारी गोली, गंभीर

गोपालगंज। के मीरगंज थाना क्षेत्र के पुरानी भट्ठी वार्ड-21 में गाड़ी पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक युवक के मुंह में गोली मार दी गई। इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से घायल दिग्विजय को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। घायल युवक की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 निवासी दिग्विजय सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दिग्विजय एक तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। वह अपनी कार आरोपी के घर के पास पार्क कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि स्थानीय आकाश साह ने दिग्विजय के मुंह पर गोली चला दी।चार लोगों से पूछताछ जारी मीरगंज थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि गोली दिग्विजय के चेहरे को छूते हुए निकल गई। पुलिस ने मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आगे की कार्रवाई जारी है।

NH-333 पर गिरा पेड़, एक घंटे तक यातायात प्रभावित

जमुई। के गिद्धौर में रविवार को एनएच-333 पर बंधन बैंक के समीप एक लिप्टस का पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। इस घटना से करीब एक से चार घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना के समय सड़क पर भीड़ कम होने के कारण कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार पेड़ पहले से ही कमजोर था। हल्की हवा चलने से यह अचानक गिर गया। करीब आधे घंटे तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान बाइक, कार, बस समेत अन्य वाहन दोनों तरफ फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना गिद्धौर पुलिस को दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और समाजसेवियों की मदद से पेड़ की टहनियों को काटकर सड़क से हटाया गया। इसके बाद यातायात सामान्य हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में कमजोर और पुराने पेड़ों की नियमित जांच करने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि अगर पेड़ किसी वाहन या व्यक्ति पर गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल सड़क पर यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।

हिंदू चेतना महासम्मेलन को ले निकाली शोभायात्रा

शेखपुरा। बिहार प्रदेश इकाई के द्वारा भारतीय अपना समाज पार्टी का स्थापना दिवस सनातन संस्कृति हिंदू चेतना महासम्मेलन एवं राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया। इसका उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन सिंह सूर्यवंशी ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या धाम के संत शिरोमणि जगतगुरु करपात्री जी महाराज एवं अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय धरा धाम प्रमुख डॉ सौरव पांडेय के अलावा भारतीय अपना समाज पार्टी सहित विभिन्न हिंदू संगठन से जुड़े हिंदूवादी नेताओं एवं कार्यकताओं ने शिरकत किया। आगत अतिथियों का स्वागत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार, उपाध्यक्ष अजीत कुमार उर्फ मुन्ना सिंह, प्रदेश महासचिव सतीश कुमार, नगर अध्यक्ष कुंदन कुमार, अपना विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष विवेक कुमार ने अतिथियों को अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ, पुष्प माला एवं राष्ट्र गौरव का प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया। जबकि मंच का संचालन भारतीय अपना समाज पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मुकुल मोहन द्वारा किया गया। इसके पूर्व गाजे -बाजे, भगवा ध्वज एवं विभिन्न हिंदू देवी देवताओं की झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें काफी संख्या में महिला -पुरुष श्रद्धालु एवं बच्चे- बच्चियों ने माथे पर पगड़ी एवं भगवा लिवास में बरबीघा नगर परिषद के विभिन्न मोहल्ले का परिक्रमा किया। शोभा यात्रा जुलूस और झांकी श्री अवध बिहारी बड़ी ठाकुरबाड़ी से निकालकर शहर के डाकघर रोड पुरानी शहर थाना चौक टैक्सी स्टैंड अस्पताल रोड होते हुए डॉक्टर श्री कृष्ण जी चौक पहुंचा जहां पर बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री एवं बरबीघा धरती के पुत्र स्वर्गीय डॉक्टर श्री कृष्ण सिंह जी की आदमकद प्रतिमा पर पार्टी के संरक्षक एवं अयोध्या धाम के संत जगतगुरु करपात्री जी महाराज और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन सिंह सूर्यवंशी सहित अन्य लोगों ने माल्यार्पण किया।

अतिक्रमण के नाम पर महादलितों को निशाना बना रहा नगर प्रशासन

अनुमंडल कार्यालय परिसर में महादलित परिवार से बातें करते उपभोक्ता संरक्षण समिति के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजीव भारती ।

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसराय तेघड़ा नगर परिषद में हटाए जा रहे अतिक्रमण को लेकर उपभोक्ता संरक्षण समिति के प्रदेश अध्यक्ष संजीव भारती ने तेघड़ा एसडीओ से मुलाकात की एवं आठ बिंदुओं पर अपनी बात रखी। इनमें पेभर ब्लाक लगाए जाने का मामला उठाया। कहा, महादलित और पिछड़ों को निशाना बनाया जा रहा है। कार्यपालक पदाधिकारी ने उनसे कहा कि पेभर ब्लाक लगाए जाने कार्य के जिम्मेदार चेयरमैन और सशक्त कमेटी है। कार्यपालक पदाधिकारी ने कैंची मोड़ महादलित परिवार को गलत तरीके से नोटिस भेजा है। बिना कोरम पूरा किए अस्थाई अतिक्रमण कोदले स्थाई अतिक्रमण को उजाड़ दिया गया। अतिक्रमण मुक्ति की आड़ में एक भी अमीर लोगों के पक्के मकान नहीं तोड़े गए। डा. भारती ने कहा कि स्टेशन रोड में महादलित परिवार को भी उजाड़ने की साजिश की गई है। इस पर समिति संज्ञान ले रही है। एसडीओ ने भूमिहीन को जमीन उपलब्ध करवाकर अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया।

रमजान के पहले दिन मस्जिदों में लगी भीड़

लखनऊ। रमजान के मुबारक महीने की शुरूआत हो गई। शनिवार को मस्जिदों में पहली तरावीह की नमाज अदा की गई। रविवार को सूर्य उदय होने से पहले सेहरी करने के बाद लोगों ने रोजा रखा। चांद नजर आने के बाद अल्लाह की रहमतों और बरकतों वाले इस महीने की चारों ओर धूम देखी जा रही है। रमजान की इबादत के लिए मस्जिदें गुलजार हो गईं और तरावीह की नमाज की शुरूआत हो गई। तरावीह की नमाज में शहर की तमाम मस्जिदें खचा खचाखच भरी हुई थी। तरावीह में शामिल होने के लिए टोपी लगाकर मस्जिद में पहुंचने की ललक शहर में हर तरफ देखी गई। रमजान के पहले दिन तरावीह की नमाज हुई। इस दौरान मस्जिदों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था की कड़ी व्यवस्था की गई थी। जामा मस्जिद ईदगाह ऐशबाग, मस्जिद नदवातुल उलमा, मस्जिद दरगाह समीना शाह, मस्जिद तकवियतुल ईमान, दरगाह हाजी हरमेन मेडिकल कॉलेज, चांद वाली मस्जिद तालकटोरा, दरगाह वाली मस्जिद उजरियांव, दरगाह दादा मियां सदर, हनफिया जियाउल कुरान बड़ा चाँद गंज, मस्जिद नूर मोहम्मद हुसैनगंज, मस्जिद हाजी बाराती उदयगंज समेत विभिन्न मस्जिदों में तरावीह की नमाज अदा की गई। 1996 से 5 पारा की हो रही है तरावीह फरहत हसन शाह ने बताया कि 1996 से दरगाह दादा मियां स्थित मस्जिद में 5 पारा की तरावीह की नमाज अदा की जा रही है। हुसैनगंज क्षेत्र में 1995 में तरावीह में नमाजियों की संख्या

बढ़ने की वजह से सड़क जाम हो गई थी। उसके बाद जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने तत्कालीन दरगाह के सज्जादानशीन से 5 पांच पारा तरावीह की अपील किया। उसके बाद से ये सिलसिला जारी है। यहां लगभग 15 हजार लोग नमाज में शामिल होते हैं। फरहत मियां ने कहा कि ये बेहद सम्मानित महीना है। लोग इस महीने में अधिक नमाजें पढ़ते है। झूठ बोलना या अन्य जो भी सामाजिक बुरे कार्य है उसे बिल्कुल छोड़ देते हैं। शासन-प्रशासन से अपील है कि लाउडस्पीकर समेत अन्य चीजों के लिए अधिक सख्ती न कि जाए। दरगाह दादा मियां में रोजा इफ्तार की भी व्यवस्था की जाती है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग यहाँ रोजा इफ्तार करते हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने में अधिक से अधिक जरूरतमंदों की आर्थिक सहायता की जाए। तरावीह नमाज अदा करने वाले ऐनुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि 22 वर्षों से 5 पारा तरावीह की नमाज अदा कर रहे हैं। ये इबादत का महीना है, जो पूरे साल नमाज नहीं पढ़ते हैं वो भी इस महीने में नमाज पढ़ते है। ये बहुत खास महीना है सभी लोगों के लिए। पूरा समय नमाज, रोजा और कुरान पढ़ने में गुजरता है। लोगों के दिल में ये रहता है कि रमजान में इबादत करेंगे तो अल्लाह हमारी गलतियों को माफ करेगा। मुस्लिम समुदाय में अगर कोई शराब का सेवन करता है तो वो भी छोड़ देता है। रोजादार वसी हाशमी ने कहा कि रमजान के महीने का पूरे साल इंतिजार रहता है। पूरे महीने रोजा रखते हैं नमाज पढ़ते हैं। गर्मी, सर्दी किसी भी मौसम में रमजान हो कभी रोजा नहीं छोड़ते हैं। सभी लोगों को रोजा रखना चाहिए। रोजा के बहुत फायदे है डॉक्टर भी रोजा रखने की सलाह देते हैं।

रोजा के साथ इस महीने में दान की बहुत मान्यता है इसलिए दूसरों का आर्थिक सहयोग करें। रमजान में रोजेदारों के सवालों के जवाब के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

आनंद मार्ग प्रचारक संघ जिला इकाई के पदाधिकारियों ने किया नामांकन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। आनंद मार्ग प्रचारक संघ जिला इकाई की एक बैठक नेशनल हाईवे कसया स्थित प्रोग्रेसिव कंप्यूटर सेंटर के सभागार में संपन्न हुई। जिसमें नई जिला कमेटी के चुनाव को लेकर दावेदारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। रविवार को आनंद मार्ग प्रचारक संघ जिला इकाई की बैठक में पर्यवेक्षक गोरखपुर कालेज के प्रवक्ता अशोक सिंह, संयोजक गोरखपुर के डीएस आचार्य दिवाकरानंद अवधूत और एडवोकेट जयश्री सिंह की देखरेख में जिला इकाई के पदाधिकारियों के विभिन्न पदों को लेकर संस्था के दावेदारों ने अपना नामांकन किया। इस दौरान सुशांत कुमार, राव, शकुंतला त्रिपाठी, बलराम सिंह, कृष्ण बिहारी सिंह, प्रभु निषाद, रविन्द्र तिवारी, कृपा सिंधु सिंह, श्रीमती मीरा देवी, सुदामा, रामचंद्र आदि मौजूद रहे।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय भठही राजा पांच बच्चों के चयन होने पर विधालय में खुशी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में हाटा ब्लाक के जूनियर विद्यालय भठही राजा के कक्षा पांच छात्र - छात्राओं ने घोषित परीक्षाफल में उत्तीर्ण होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बता दें उक्त स्कूल के बीस छात्र छात्राओं ने राष्ट्रीय आय आधारित परीक्षा का फार्म भरा था। जिसका परिक्षा परिणाम घोषित हुआ तो उसमें रितिका कुशवाहा, शिवांगी चौधरी, रागिनी मद्धेशिया, अंशु गुप्ता, शिवम मद्धेशिया ने परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इनके चयन होने पर स्कूल के प्रधानाध्यापक अमित सिंह व प्रवीण राव, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव, खण्ड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार, प्रधान सुभाष कुंडू, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राम दिनेश सिंह, मंत्री रामप्रवेश यादव, जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष, देवानंद धर दुबे, बिपिन सिंह, धीरज मिश्रा, सुमित राय आदि ने बधाई दी ।

संतनगर पश्चिमी में स्वच्छता व्यवस्था बदहाल

सिधौली। कस्बे के संतनगर पश्चिमी में जलभराव की समस्या से लोग परेशान हैं। यहां की सड़कें और जल निकासी की नालियां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। इससे मोहल्ले में पानी भरा रहता है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है।

स्थानीय निवासी कविता भटनागर ने बताया कि वह पिछले 25 वर्षों से यहां रह रही हैं। इतने लंबे समय में भी जिम्मेदार अधिकारी समस्या का समाधान नहीं कर पाए हैं। मीरा यादव के अनुसार सड़कों और नालियों का स्तर इतना नीचा है कि गंदा और बदबूदार पानी घरों में घुस जाता है। मोहल्ले के अन्य निवासी अमित पांडेय, सनोज गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, देवीशरण और रामेश्वर यादव का कहना है कि नगर पंचायत और सिंचाई विभाग एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। सिंचाई विभाग का दावा है कि माइनर से कोई समस्या नहीं है, बल्कि नगर पंचायत का ड्रेनेज सिस्टम ही अप्रभावी है। नगर पंचायत की कार्यकारी अधिकारी रेणुका यादव ने समस्या को स्वीकार किया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द ही ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त किया जाएगा और सड़कों व नालियों का कायाकल्प कराया जाएगा।

ग्राम पंचायत चकदेईया और शामपुर के ग्राम प्रधान द्वारा कराए गए विकास कार्यों की सराहना की

संवाददाता

कुशीनगर। मुख्यमंत्री पुरस्कार से पुरस्कृत ग्राम पंचायतों का नोडल अधिकारी उपनिदेशक पंचायत स्वच्छ भारत मिशन द्वारा ग्रामपंचायतों में हो रहे विकास कार्यों का सघन निरीक्षण किया गया। जिसमें ग्राम पंचायतों में हो रहे नव निर्माण एवं पंचायत भवन खेल मैदान विवाह भवन शौचालय रख रखाव नाली खडनजा पेय जल बाउंड्री वाल पंचायत भवन में बैठक व्यवस्था, दिवालो में सीलन, विद्युती करण के साथ साथ लाइब्रेरी बनाने का आश्वासन दिया और संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण उप निदेशक पंचायत स्वच्छ भारत मिशन राघवेंद्र द्विवेदी के द्वारा किया गया। जनपद कुशीनगर के पंचायती राज अधिकारी आलोक कुमार प्रिदर्शी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कसया अमरजीत यादव, ग्राम पंचायत सचिव सरिता गुप्ता, आनंद शर्मा, आशुतोष कुमार, संजय भारती, रियासत अंसारी, संजय भारती, देवेंद्र उर्फ गुड्डू प्रजापति, रामप्यारे सिंह, भीम सिंह रामप्रीत सिंह हीरा शर्मा, रामपति, भरत सिंह के साथ ग्राम रोजगार सेवक सच्चिदानन्द सिंह, शिवचरन चौधरी, ग्राम प्रधान चकदेइया संजीव कुमार सिंह और ग्राम प्रधान शामपुर डॉक्टर संजय यादव के साथ सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

कत्ल की कोशिश के दो गुनाहगारों को सात-सात साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के जलालपुर क्षेत्र के ममना में 23 जुलाई 2017 को अनिल कुशवाहा अपनी पान और गुटके की दुकान के बगल में बैठा लकड़ी की डलिया बिन रहा था, तभी गाँव का ही अनिल अहिरवार पुत्र हल्के सहित मिलन पुत्र गयादीन अहिरवार दुकान पर आये और गुटका देने को कहा, और जैसे ही अनिल कुशवाहा उसे दुकान से गुटका देने गया,तभी अनिल अहिरवार ने जान से मारने की नियत से उसके पेट में चाकू मार दिया, जबकि बेटे को जख्मी हालत में देखकर मौजूद घरवालों ने हमलावर को पकड़ लिया,वही उसका साथी मिलन मौके से भाग ि नक ला, हालांकि मौका द ख क र हमलावर भी घरवालों से अपने आपको छुड़ाकर भाग निकला, जबकि जख्मी युवक को इलाज के के लिये पहले तो सरीला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उसे उरई मैडिकल कालेज रैफर कर दिया गया, वहीं वारदात के दूसरे दिन जख्मी युवक की माँ कुसुम रानी की तहरीर पर अनिल पुत्र हल्के अहिरवार सहित मिलन पुत्र गयादीन अहिरवार के खिलाफ जलालपुर पुलिस ने अपराध संख्या 145/17, धारा 307 आईपीसी के तहत कत्ल की कोशिश का मामला दर्ज किया गया, वहीं ऑपरेशन कन्विकशन के तहत हमीरपुर की जिला सत्र अदालत के स्कालर जज मनोज कुमार राय ने दोनों अभियुक्तों को गुनाहगार मानते हुये सात-सात साल की सख्त सजा के साथ ही सुनाया दस-दस हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई अखिलेश यादव ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, तो वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में डीजीसी राजेश कुमार शुक्ल की दमदार पैरवी की बदौलत दोनों गुनाहगारों को सात-सात साल की सख्त सजा के साथ ही दस-दस हजार रुपये का जुमार्ना कराने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

75 टीबी रोगियों को दी प्रोटीनयुक्त पोषण पोटली

संवाददाता

कुशीनगर।

सौ दिन टीबी खोज अभियान के तहत जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज के प्रेरणा एवं निर्देशन में जनपद में चलाये जा रहे टीबी रोगियों के गोद लेने के कार्यक्रम के क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग तमकुही द्वारा शनिवार को ब्लाक सभागर में 75 टीबी रोगियों को प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली दी गई।

मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ रामजियावन वर्मा ने कहा कि टीबी रोगियों को गोद लेना पुनीत कार्य है। जो भी शिक्षक या शिक्षिका गोद लिए लिया है उन रोगियों से भावनात्मक लगाव रखते हुये उस मरीज से महीने में एक बार जरूर बात कर उसके स्वास्थ्य की जानकारी ले ले। विशिष्ट अतिथि जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी ने कहा कि जनांदोलन के द्वारा ही हम जनपद को टीबी मुक्त बना सकते है। उन्होंने इस पुनीत कार्य हेतु बेसिक शिक्षा विभाग के प्रति आभार भी प्रकट किया तथा टीबी रोग के लक्षणों एवं उपचार के बारे में बताया। अधीक्षक डॉ अमित राय, एमोटीसी डॉ हिमांशु मिश्र, निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र, एसटीएलएस संजय द्विवेदी ने संबोधित किया।अध्यक्षता कर रहे खण्ड शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार ने कहा कि शिक्षक शिक्षा कार्य के साथ सामाजिक कार्यो में भी अग्रणी भूमिका में रहते है। संचालन शिक्षक राजू सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत शिक्षक संघ के अध्यक्ष शम्भू यादव तथा आभार ज्ञापन मंत्री देवेंद्र कुमार ओझा ने किया। इस दौरान एसटीएस धनंजय कुमार पांडेय, बीसीपीएम वाहिद, परामर्शदाता रत्नेश मणि त्रिपाठी,शिक्षक अमरनाथ यादव, अजय सिंह, सुधा सिंह, नलनी गुप्ता, सुनीता यादव, विद्यावती यादव आदि सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षका उपस्थित रहे।

पडरौना - रामकोला- टेकुआटार - विजयपुर मथौली होते गोरखपुर जाने वाले मार्ग पर बस संचालन बहाल

संवाददाता

कुशीनगर। वर्षों बाद पडरौना रामकोला टेकुआटार विजयपुर मथौली होकर गोरखपुर तक जाने वाली रोडवेज बसों का संचालन बहाल हो गया है। बस संचालन बहाल होने से लोगों में खुशी है। इसको लेकर ग्रामीणों का एक समूह सपा नेता रमन शाही के नेतृत्व में उच्च अधिकारियों को लिखित पत्रक सौंपा था। 2019 -20 के मार्च में कोरोना के चलते बसों का संचालन बंद कर दिया गया था। लॉकडाउन खुलने के बाद प्रमुख मार्गों पर बसों का संचालन शुरू हो गया था। इस मार्ग पर बसें चालू न होने से लोग परेशान हो रहे थे। लोग डग्गामार वाहनों से अधिक किराया देकर गंतव्य आते जाते थे। इससे लोगों को काफी दिक्कतें हो रहीं थी। लोगों ने परिवहन विभाग को पत्र भी भेजा था। समाचार पत्रों ने भी यात्रियों की समस्या को प्रमुखता से उठाया था। और ग्रामीणों का एक समूह सपा नेता रमन शाही के नेतृत्व में उच्च अधिकारियों को लिखित रूप में पत्र सौंपा था बस संचालन का जिसको संज्ञान में लेते हुए परिवहन निगम के अधिकारियों ने शीघ्र बस संचालन शुरू कराने का आश्वासन दिया था। परिवहन निगम ने एक बस प्रतिदिन सुबह पडरौना से रामकोला टेकुआटार विजयपुर मथौली होते हुए गोरखपुर जायेगा और पुनः शाम को गोरखपुर से मथौली विजयपुर टेकुआटार रामकोला होते हुए पडरौना पहुचेगा। अब इस बस संचालन को लेकर ग्रामीणों ने खुशी का इजहार किया है।

कंवर इंटर प्राईजेज बेरी इन्द्पुरी मोरम खण्ड 10/6 के दबंग बेखौफ संचालक राजेश यादव उड़ा रहे हैं खनन निदेशक माला श्रीवास्तव के आदेशों की खुलेआम धज्जियां

संवाददाता

हमीरपुर। सूबे के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खनन निदेशक माला श्रीवास्तव की रोक के बावजूद हमीरपुर के बेरी इन्दुपुरी कंवर इंटर प्राईजेज मोरम खण्ड 10/6 के दबंग और बेखौफ संचालक राजेश यादव और इनके गुर्गे प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से नदी की जलधारा में मोरम का अवैध खनन करने के साथ ही खण्ड में आने वाले ट्रकों में ओवर लोडिंग और अवैध परिवहन कर शासन को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना, जबकि बेखौफ और दबंग मोरम माफिया अपने खण्ड के अलावा बगल के बंद पडे.खण्ड 10/5 में भी अवैध खनन कर शासन प्रशासन को दे रहे हैं कार्यवाही की खुली चुनौती, वहीं प्रदेश की तेज तर्रार और बेदाग छवि की मालिक खनन निदेशक माला श्रीवास्तव के हमीरपुर दौरे के बावजूद नहीं लग पा रही है मोरम के अवैध खनन सहित ओवर लोडिंग और अवैध परिवहन पर लगाम।

मायावती ने भतीजे आकाश को उत्तराधिकारी पद से हटाया

एक साल में दूसरी बार सभी पद छीने; बोलीं- जीते-जी किसी को जिम्मेदारी नहीं दूंगी

लखनऊ।बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से सभी जिम्मेदारियां छीन ली हैं। एक साल में दूसरी बार आकाश आनंद को उत्तराधिकारी और नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने कहा- जीते-जी किसी को भी अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं करूंगी। मायावती ने यह ऐलान रविवार को लखनऊ में बसपा कार्यकताओं के साथ बैठक में किया। मायावती ने दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में बसपा के कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। आकाश आनंद मीटिंग में नहीं पहुंचे थे। पहले मंच पर दो कुर्सियां लगाई गई थीं, लेकिन बाद में एक कुर्सी हटा ली गई। मंच पर अकेले मायावती ही बैठी रहीं।बसपा ने 10 दिसंबर, 2023 को यूपी-उत्तराखंड के नेताओं की बैठक बुलाई थी। इसमें मायावती ने अपने सबसे छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किया था। पार्टी की विरासत और राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपने भतीजे पर विश्वास जताया था। हालांकि 7 मई, 2024 को आकाश की गलतबयानी की वजह से मायावती ने उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली थीं। आकाश को अपने उत्तराधिकारी पद के साथ ही नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से भी हटा दिया था। मायावती ने कहा था कि आकाश अभी अपरिपक्व (इमेच्योर) हैं। हालांकि 47 दिन बाद मायावती ने अपना फैसला पलट दिया था। 23 जून 2024 को उन्होंने भतीजे आकाश को फिर से अपना उत्तराधिकारी बनाया और नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी भी सौंप दी थी। अब फिर मायावती ने आकाश आनंद से सारी जिम्मेदारियां छीन ली हैं।मेरे लिए पार्टी सबसे पहले, परिवार बाद में मैं यह बताना चाहती हूं कि बदले हुए हालात को देखते हुए अब हमने अपने बच्चों के रिश्ते गैर-राजनीतिक परिवारों में ही करने का फैसला किया। इसका मकसद यह

है कि भविष्य में हमारी पार्टी को किसी भी तरह का नुकसान न हो, जैसा कि अशोक सिद्धार्थ के मामले में हुआ। इतना ही नहीं, बल्कि मैंने खुद भी यह निर्णय लिया है कि मेरे जीते जी और आखिरी सांस तक पार्टी में मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मेरे लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले हैं, जबकि परिवार और रिश्ते बाद में आते हैं। जब तक मैं जीवित रहूंगी, तब तक पूरी ईमानदारी से पार्टी को आगे बढ़ाती रहूंगी। आकाश को हटाने के पीछे उनके ससुर जिम्मेदार कांशीराम के पदचिह्नों पर चलते हुए अशोक सिद्धार्थ, जो आकाश आनंद के ससुर भी हैं। उन्हें पार्टी और मूवमेंट के हित में बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में पार्टी को गुटों में बांटकर कमजोर करने का काम किया था। जहां तक आकाश आनंद का सवाल है, तो यह सभी को पता है कि उनकी शादी अशोक सिद्धार्थ की बेटी से हुई है। अब जब अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाल दिया गया है, तो यह देखना जरूरी होगा कि उनकी बेटी पर उनके विचारों का कितना असर पड़ता है। वह आकाश आनंद को कितना प्रभावित कर सकती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी के हित में आकाश आनंद को सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। इसके लिए पार्टी नहीं, बल्कि पूरी तरह उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार हैं, जिन्होंने आकाश आनंद के राजनीतिक करियर को भी नुकसान पहुंचाया है। अब उनकी जगह, पहले की तरह ही आनंद कुमार पार्टी के सभी कार्यों को संभालते रहेंगे।सपा और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू मिल्कीपुर में बसपा ने उपचुनाव नहीं लड़ा था। इसके बाद भी समाजवादी पार्टी की करारी हार हुई। अब सपा किसे जिम्मेदार ठहराएगी? क्योंकि पहले सपा ने अपनी हार के लिए बीएसपी को दोषी ठहराने का झूठा प्रचार किया था। सपा और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सिर्फ अंबेडकरवादी नीति और सिद्धांतों पर चलने वाली बीएसपी ही भाजपा और अन्य जातिवादी पार्टियों को हरा सकती है। यह बात पूरे देश के सभी समाज के लोगों को समझनी चाहिए।बसपा सुप्रीमो ने 15 दिन पहले भतीजे आकाश आनंद को अल्टीमेटम दिया था। कहा था- बसपा का वास्तविक उत्तराधिकारी वही होगा, जो कांशीराम की तरह हर दुख-तकलीफ उठाकर पार्टी के लिए आखिरी सांस तक जी-जान लगाकर लड़े और पार्टी मूवमेंट को आगे बढ़ाता रहे।18 दिन पहले मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाल दिया था। उनके करीबी नितिन सिंह को भी पार्टी से बाहर कर दिया। यह एक्शन संगठन में गुटबाजी और अनुशासनहीनता पर लिया था।कहा था- दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ अशोक सिद्धार्थ और नितिन सिंह चेतावनी के बाद भी पार्टी में गुटबाजी कर रहे थे। इन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के चलते तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

आकाश ने 2017 में राजनीति में की थी एंट्रीआकाश आनंद पहली बार 2017 में सहारनपुर की एक जनसभा में मायावती के साथ दिखे थे।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

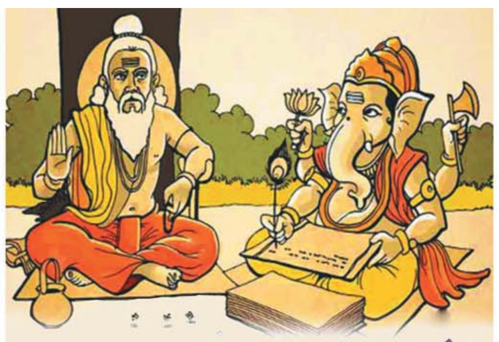

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो कड़ी मेहनत जरुरी

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ ने वर्क-लाइफ बैलेंस पर रखी अपनी बात

नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, न कि वर्क-लाइफ बैलेंस की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि कम काम करने की बातें करना फैशन बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को हफ्ते में 80 या 90 घंटे काम करना चाहिए। अमिताभ कांत के मुताबिक वर्क-लाइफ बैलेंस पर बहस युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि लोग समय सीमा से पहले प्रोजेक्ट पूरे करें, के वालिटी से समझौता न करें और लागत को कंट्रोल में रखें। उन्होंने कोरिया और जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने कड़ी मेहनत से आर्थिक सफलता हासिल की है। उन्होंने भारत में भी ऐसी ही मानसिकता अपनाने की अपील की है। कांत नीति आयोग के सीईओ रह चुके हैं। वह वर्क-लाइफ बैलेंस पर चल रही बहस पर अपनी राय रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो कड़ी मेहनत करनी होगी जो जरुरी है। कांत ने कहा कि मैं कड़ी मेहनत में विश्वास रखता हूं। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, चाहे वह 80 घंटे हो या 90 घंटे प्रति सप्ताह। आपकी महत्वाकांक्षा 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की है तो आप इसे मनोरंजन या कुछ फिल्मी सितारों के विचारों का पालन करके नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि समय सीमा से पहले परियोजनाओं को पूरा करना, गुणवत्ता से समझौता न करना और लागत सीमा से ज्यादा न होना अहम है। कांत ने कहा कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद वर्क-लाइफ बैलेंस बनाना संभव है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं हर दिन काम करता हूं, व्यायाम करता हूं, गोल्फ खेलता हूं और फिर भी कड़ी मेहनत करता हूं।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है। फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6

प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस दौरान चालू वित्त वर्ष के लिए नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आयात शुल्क बढ़ने के बावजूद बीते सप्ताह अधिकांश तेल- तिलहन के दाम टूटे

उपलब्धता में कमी और सस्ता होने से मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह केंद्र सरकार के द्वारा आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद पिछले सप्ताहांत में शिकॉगो एक्सचेंज में भारी गिरावट रहने के कारण करोबारी दवाब बढ़ने से ज्यादातर तेल-तिलहनों की कीमत गिरावट के साथ बंद हुई। उपलब्धता में कमी और सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण केवल बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशों में पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के दाम टूटे हैं और हमारे देश में इस गिरावट का असर व्यापक तेल-तिलहनों पर भी देखा गया जिससे उनके दाम में गिरावट आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,250-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो), सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 80-130 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,200-4,250 रुपये और 3,900-3,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 200 रुपये, 200 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,150 रुपये, 13,750 रुपये और 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 5,600-5,925 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 10 रुपये की गिरावट के साथ 14,300 रुपये और 2,200-2,500 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 3,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने पिछले माह भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ निकाले

- एफपीआई की निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पार

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की हैं। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई की कुल निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वैश्विक व्यापार तथा कंपनियों की आय को लेकर चिंता के बीच एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और कॉरपोरेट आय में वृद्धि को लेकर चिंताओं के कारण एफपीआई लगातार निकासी कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। जिंस कीमतों में गिरावट और उपभोक्ता खर्च में कमी से यह समस्या और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत में ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां मूल्यांकन कम है। लेकिन इस प्रक्रिया में, वे आकर्षक मूल्यांकन वाले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में बिक्री कर रहे हैं। एफपीआई की बिकवाली में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास यह है कि वे वित्तीय सेवाओं में भारी मात्रा में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसका मूल्यांकन आकर्षक है। इसके अलावा वे ऋण या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 3.09 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

मुंबई

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपये घटकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये रह गया। इससे शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक सूची में दूसरे स्थान पर है। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 52,697.93 करोड़ रुपये घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 39,230.1 करोड़ रुपये घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,025.97 करोड़ रुपये घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपये घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,775.78 करोड़ रुपये घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 11,700.97 करोड़ रुपये घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपये रह गई। आईटीसी का मूल्यांकन 7,882.86 करोड़ रुपये घटकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों के बिगड़ते जा रहे हालात

- सोशल मीडिया पर छाया मीम्स का तूफान

नई दिल्ली । शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरा जब निफ्टी करीब 9 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ, साथ ही बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली। भारत के शेयर बाजार में दरार की मार ने निवेशकों को तगड़े झटके दिए हैं। सिर्फ फरवरी में ही सेंसेक्स में 4000 अंक की गिरावट आने से निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये उड़ गए हैं। इस दुखद स्थिति में सोशल मीडिया पर मीम्स का तुफान छाया हुआ है। निवेशकों के दु:ख को दिखाने के लिए बनाए गए मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने जोक के अंदाज में लिखा है- फिलहाल शेयर बाजार की स्थिति, 25 दिन में पैसा आधा। ये मीम्स लोगों के मनोरंजन के साथ-साथ शेयर बाजार की सच्चाई को भी उजागर कर रहे हैं। सिख लो, हंसो और जिए - इसी दु:खद समय में मीमर्स ने दिखाया है कि उनका कौन सा असली हौंसला है।

राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी: नीति आयोग

नई दिल्ली । नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी है और इसके एक-दो महीने में जारी होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद की भावना को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में राज्यों का निवेश अनुकूलता सूचकांक लाने की घोषणा की गई है। यह सूचकांक राज्यों को नियमों की समीक्षा के लिए प्रेरित करेगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश को क्या बाधित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परामर्श से राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक से संबंधित मानदंडों पर काम कर रहा है। विरमानी ने कहा, सूचकांक तैयार करने का पहला चरण पूरा हो गया है। दूसरे चरण पर काम जारी है। इसमें उद्योग से सुझाव लिये जा रहे हैं।

जहां से टेस्ला बिकेगी उस जगह का किराया होगा 35 लाख रुपए महीना

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला अपने कारें भारत में भी विक्रय करेगी। इसके लिए शो रुम कहां और कैसे होंगे इसका काम भी लगभग पूरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने भारत में अपने शोरूम के लिए लोकेशन और एरिया फाइनल कर लिया है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मेकर मैक्सिटी में अपने शोरूम के लिए जगह फाइनल कर ली है। इसके अलावा, दिल्ली के एयरोसिटी में भी एक नया शो रूम खोलने की कंपनी की योजना है। मेकर मैक्सिटी में कार शोरूम की जगह लगभग 3,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और यह मेकर मैक्सिटी के कमर्शियल टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। इस जगह का मंथली किराया लगभग 35 लाख रुपये है और इसमें कुछ कार पार्किंग भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि टेस्ला ने दिल्ली में लगभग 4000 वर्ग फुट का शोरूम स्पेस फाइनल किया है और इसका मंथली रेंट लगभग 25 लाख रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, टेस्ला ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टी में स्थित एयरोसिटी एरिया में शोरूम स्पेस का लीज फाइनल किया है। टेस्ला की ओर से शोरूम खोलने के लिए यह समझौता उस मीटिंग के कुछ हफ्तों बाद किया गया है, जब टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मुलाकात की थी।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से बाजार में बढ़ी बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में भारतीय बाजारों से निकाले 34,574 करोड़

-इस साल अब तक 1.12 लाख करोड़ के शेयर्स बेचे, हाई वैल्यूएशन की वजह से लगातार पैसा निकाल रहे

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार खतरे के निशान के दौर से गुजर रहा है। इसकी एक वजह है विदेशी निवेशकों (फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का मोहभंग। ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपए निकाले हैं। वहीं 2025 के पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने टोटल 1.12 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। जनवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सलगातार पैसे निकाल रहे हैं। दिसंबर 2024 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने भारतीय शेयर बाजारों में 15,446 करोड़ रुपए निवेश किए थे।

11,639.02 करोड़ के शेयर्स बेचे

वहीं पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सनेट सेलर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 28 फरवरी को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 11,639.02 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 12,308.63 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर

बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर बढ़ रहा है। वित्त-वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं, जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत में हाई वैल्यूएशन की वजह से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सबिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां वैल्यूएशन कम है। इतना ही नहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सफाइनेंशियल सर्विसेज में बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसकी वैल्यूएशन आकर्षक है।

डेट और बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे विदेशी

इसके अलावा फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सडेट या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं। फरवरी महीने में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने बॉन्ड बाजार से जनरल लिमिट के तहत 8,932 करोड़ रुपए और वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 2,666 करोड़ रुपए निकाले। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सका 2024 में भारतीय बाजार में निवेश 427 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले 2023 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था।

एसबीआई रिपोर्ट:भारत की जीडीपी विकास दर 25 वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी होगी

नई दिल्ली । एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख से तय होगी घरेलू शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। ऐसा बाजार के विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है। विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हो सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। आने वाले समय में बाजार की स्थिति कमजोर रह सकती है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। वृहद आर्थिक मोर्चे पर सप्ताह के दौरान एचएसबीसी विनिर्माता और सेवा पीएमआई आंकड़े आएंगे, जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी। एक फायनें सियल कंपनी प्रमुख का मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा। दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता अक्सर वास्तविक घटनाक्रम से अधिक महत्वपूर्ण होती है, और बाजार वर्तमान में संभावित व्यापार युद्ध की चिंता से जूझ रहा है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का दबाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो घरेलू खपत से बढ़ा है और संभावित आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

भारत में कोयला उत्पादन में 5.73 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली । भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल से फरवरी अवधि में 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके अनुसार, प्रतिवर्ष कोयला सेक्टर में मजबूत वृद्धि को दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सालाना आधार पर कोयले का समुदायिक उत्पादन 929.41 मिलियन टन पर पहुंच गया है, जो पिछले साल के 880.92 मिलियन टन की तुलना में है। मंत्रालय के अनुसार यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को संतुलित रूप से पूरा करता है। सरकार इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ा रही है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार कोयला परियोजनाओं की मंजूरी में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक गृहणियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल गृहणियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य रखती है। इस बाबत, एनसीएल की योजना है कि जून तक 8,000 गृहणियों को प्राथमिक देखभाल करेगा।

भारत में निजी उपभोग हुआ लगभग दोगुना

नई दिल्ली । भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है। डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढने से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढने की उम्मीद है। इससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या वर्ष 2024 में 6 करोड़ है, जो 2030 तक बढक़र 16.5 करोड़ होने की उम्मीद है।

वन्य प्राणी जीवों का संरक्षण की आवश्यकता

विश्व वन्यजीव दिवस

संजय गोस्वामी

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्यान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता हैं।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।

वन्य जीव-जन्तुओं पर्यावरण व इकोसिस्टम को सुरक्षित बनाये रखने के लिए प्रयुक्त होता है जो प्राकृतिक आवास में निवास करते हैं, जैसे हाथी शेर, गैंडा, हिरण इत्यादि। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है व्यापक रूप से .वन्य जीव. प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव -जन्तुओं एवं पेड़ -पौधों की जातियों हेतु प्रयुक्त किया जाता है । वर्तमान में मानव के द्वारा ऐसे कारण उत्पन्न कर दिये गये हैं, जिससे वन्य जीवों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है । इसलिए वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए 1972 में वन्य जीवन सुरक्षा अधिनियम बनाया गया है। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है। भारत कई प्रकार के जंगलों जीवों और पशु-पक्षियों का घर है। जीवों और पशु-पक्षियों का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ के पशु पक्षियों को अपने प्राकृतिक निवास स्थान में देखना आनन्दायक है व जंगली जीवों को देखने पर्यटक आते हैं। यहाँ जंगली जीवों की बहुत बड़ी संख्या है।भारत के वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचे की रचना की गयी है। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, बोटेनिकल सर्वे आफ इण्डिया जैसी प्रमुख संस्थाओं तथा भारतीय वन्य जीवन संस्थान, भारतीय वन्य अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा सलीम अली स्कूल ऑफ आरिन्थोलॉजी जैसे संस्थान वन्य जीवन संबंधी शिक्षा और अनुसंधान कार्य में लगे हैं।इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य जंगली जानवरों, पक्षियों और पौधों को प्रमाणित सुरक्षा प्रदान करना है। अपितु वन्य जीवन तथा वन - वृक्षों को सुरक्षित रखना है संभवतः विष्व में सर्वप्रथम, लगभग 300 वर्ष ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में अभयारण्यों की स्थापना की।बनारस के पास सारनाथ में एक मृग उद्यान में भगवान बुद्ध के प्रवचनों का उल्लेख भी मिलता है हिन्दू धर्म का तो मूल आधार ही यह है कि आत्मा समस्त प्राणियों में विचरण करते हुए मानव-योनि, और फिर मोक्ष-योनि में जाती है। सिन्धु-घाटी की सभ्यता (2500 ईसा पूर्व) में हाथी, शेर, गेंडा, नीलगाय, बंदर, कालाहिरण,गरूण तथा बाज पक्षियों की मूर्तिया पाई गई है। वन्यप्राणि इतनी विविधता एवं चमत्कारिक रूपों में पाये जाते है कि उनके देखने मात्र से ही सौंदर्य सुख प्राप्त होता है।। अंग्रेजी शासन काल में भी यद्यपि वन्य प्राणी संरक्षण को कुछ अधिकारियों और राजा महाराजाओं ने महत्व तो दिया लेकिन फिर भी वन्य प्राणियों के विकास में वे सफल नहीं हुए। बल्कि इसके विपरीत द्वितीय विष्व युद्ध के आसपास का समय तो वन और वन्य प्राणियों के विनाष का सर्वाधिक काला समय सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे वैज्ञानिकों और जनसाधारण ने वनों और वन्य प्राणियों के महत्व को समझना प्रारम्भ किया और जन आकांक्षाओं के परिणामस्वरुप विष्व के अनेक देषों में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्यों की स्थापना होने लगी।देष के संरक्षित क्षेत्र जिसमें राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य आते हैं। अनेक वन्य प्राणियों का उपयोग पशुधन के रूप में किया जाता है। भारतवर्ष में लगभग 20 मिलियन लोगों का जीवनयापन पशुधन पर निर्भर करता है। पशुधन से छोटे किसानों का लगभग 16 प्रतिशत और मझोले किसानों का 14 प्रतिशत आय प्राप्त होती है। पशुधन 2/3 गॉव की आबादी का जीवन यापन का सहारा बनती है। यह भारत वर्ष में 8.8 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्रदान करती है। पशुधन 4.11 प्रतिशत जी.डी.पी. तथा 25.60 प्रतिशत कृषि के जी.डी.पी. में योगदान करती है। भारत वर्ष में कुल पशुधन 512 मिलयन है जिसमें कि भैंस 105.3 मिलयन है जो कि भारतीय किसानों के आमदनी का नायाब श्रोत है। केवल मत्सयोद्योग से ही विष्वभर में लगभग 1100 लाख टन भोजन प्रतिवर्ष प्राप्त होता है। इस भोजन में प्रोटिन की प्रतिषत भी अधिक होती है।भारत जैसे देश में शेरों की तादाद दिनोंदिन घटती जा रही है। लाख प्रयासों के बाद भी इनकी तादाद बढ़ाने के मामले में सरकार दावे कुछ भी करे, लेकिन नाकामी ही हाथ लगी है।नतीजतन हमारा पर्यावरण भयंकर से प्रभावित हुआ और स्तनधारी ही नहीं, पक्षियों की हजारों प्रजातियां विलुप्त हो गईं और सैकड़ों विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं विकास संस्थान के विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों का अध्ययन खुलासा करता है कि पूरी दुनिया में मानवीय गतिविधियां व्यापक स्तर पर पर्यावरण विनाश कर रही हैं और धरती में जीवन का आधार समझी जाने वाली जैव विविधता खतरनाक दर से नष्ट हो रही है। यह सबसे अधिक चिंतनीय है। इससे धरती के पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। हालत यह है कि स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृप परिवार की 10 से 30 फीसदी प्रजातियों के ऊपर विलुप्ति की तलवार लटक रही है। मिलेनियम ईको-सिस्टम एसेसमेंट के अनुसार बीते 50 सालों में आदमी ने अपनी जरूरतों की पूर्ति और लालच की खारित पारिस्थितिकी तंत्र का इतनी तेजी से विनाश किया है, जिसकी प्राचीन इतिहास में कहीं कोई मिसाल नहीं मिलती। 1945 के बाद धरती का जितना हिस्सा खेती के समतल किया गया, वनों का कटान किया गया उतना 18वीं और 19वीं शताब्दी में मिलकर भी नहीं हुआ। इसका परिणाम जैव विविधता के भारी अपरिवर्तनीय नुकसान के रूप में सामने आया। ऐसे उदाहरण भी सामने आए जब प्रकृति पर लगे घावों के परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी तंत्र में अभतपूर्व बदलाव आए और भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा।असल में वन्य जीवों की प्रजातियों को सबसे ज्यादा यदि किसी ने नुकसान पहुँचाया है तो वह है वन्य जीवों की तस्करी और उससे होने वाला भारी मुनाफा। असलियत यह भी है कि आज विश्व में वन्य जीव तस्करी का अवैध कारोबार 25 से 30 हजार करोड़ डालर से अधिक है। यह कारोबार अब मादक पदार्थों के कारोबार से कुछ कम और हथियारों के कारोबार के करीब पहुँच चुका है।

सौंदर्य प्रसाधनों, औषधि निर्माण तो कहीं घरों की सजावट के लिए वन्य जीव अंगों की बेतहाशा मांग और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलता मुँहमांगा दाम इसके प्रमुख कारण हैं। सरकार चाहे प्रोजेक्ट टाइगर चलाए, प्रोजेक्ट एलीफेंट या आने वाले समय में प्रोजेक्ट गैंडा चलाए, जब तक देश का हर नागरिक वन्य प्राणियों के अंग, उनकी खाल का उपयोग न करने का संकल्प नहीं लेगा और लोगों में जागृति पैदा करने का अभियान नहीं चलाया जाएगा, भारत जैसे देश में तब तक कानूनों के जरिए वन्य प्राणी संरक्षण एक सपना ही रहेगा।इसके लिए गठित टास्क फोर्स कहां तक अपने उद्देश्य में कामयाब हो पाएगी, यह तो भविष्य ही बताएगा। इन्हें कौन बचाएगा? विश्व वन्य जीव कोश के अनुसार साइबेरियाई सारस, भालू, काले हिरण, बाघ और गैंडे को यदि तत्काल संरक्षण नहीं दिया गया तो ये जीव दुनिया से ही खत्म हो जाएंगे।आज देश में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड डाटा बुक के अनुसार स्तनधारियों की 16, पक्षियों की 5 और सपीसृप वर्ग की 3 प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। 81 स्तनधारी जीवों तथा 38 पक्षी व 18 सरीसृप स्थल चर-जलचरों को तत्काल संरक्षण प्रदान किए जाने की जरूरत है।सौंस को तो लम्बे इंतजार के बाद वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची एक में जगह मिली। उसके संरक्षण के लिए मात्र एक संरक्षित अभ्यारण्य है, जो विक्रमशिला के नाम से जाना जाता है और गंगा नदी में लगभग 50 किलोमीटर के इलाके में सुल्तानगंज से लेकर कहलगांव तक फैला है।

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता हैं।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।यह संरक्षित क्षेत्र वन्य प्राणियों की नर्सरी के रुप में संधारित किये है, जिससे नर्सरी में उत्पन्न वन्य प्राणी अपनी संख्या में वृद्धि करके संरक्षित क्षेत्रें से लगे हुए क्षेत्रें के माध्यम से अन्य वन क्षेत्रें में फौलें व उनका विकास करे व प्रजनन द्वारा संख्या में वृद्धि करें। इन संरक्षित क्षेत्रें में बाघ परियोजनायें प्रचलित हैं। बाघ वन्य जीवों के पारिस्थितिकीय पिरामिड के षिखर पर स्थापित वन्य प्राणी है यदि षिखर का वन्य प्राणी स्वस्थ एवं प्राकृतिक विकास कर रहा है जो अच्छे इको सिस्टम का संकेत देता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का जयकारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़. लोगों ने संगम में डुब्रकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़.व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़.की मौतों के आंकड़े. छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्यों/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, 'लंबित मामलों' का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ 'न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है' कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को खत्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को खत्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

वैश्विकी : व्हाइट हाउस में महाभारत

डॉ. दिलीप चौबे

व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच वाक युद्ध अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इतिहास में दर्ज हो गया है। दुनिया में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब एक बड़े युद्ध को लेकर प्रमुख विश्व नेताओं के बीच आपस में ही घमासान मचा हो। व्हाइट हाउस में जो आग लगी है वह दुनिया भर में फैल सकती है। इसे बुझाना आसान नहीं होगा। खासकर ऐसे समय जब आग बुझाने वालों की संख्या से अधिक आग भड़काने वाले नेताओं की है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में करीब 45 मिनट चली बैठक में शुरू का आधा घंटा सामान्य कूटनीतिक विचार विमर्श का था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन की जनता और सेना की बहादुरी की चर्चा की। उन्होंने यथाशीघ्र युद्ध विराम पर जोर दिया ताकि रक्तपात और तबाही को रोका जा सके। शुरू से ही जेलेंस्की आवेश में थे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने पुतिन को 'हत्यारा' और 'आतंकवादी' करार दिया। इस पर ट्रंप कुछ असहज हो गए, लेकिन उन्होंने जेलेंस्की को रोका नहीं। उन्होंने केवल इतना कहा कि दोनों दोनों पक्षों रूस और यूक्रेन के बीच घृणा का माहौल है। ऐसे में कूटनीति आगे बढ़ना मुश्किल होता है। ओवल ऑफिस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री माकाक्र रूबियो सहित दोनों देशों के मंत्री और अधिकारी भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति वेंस ने जेलेंस्की को समझने की कोशिश की कि राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन को और तबाही से बचाने के लिए कूटनीति पहल कर रहे हैं।

यह प्रयास पिछले बाइड़न प्रशासन से अलग है। इन प्रयासों के बारे में सकारात्मक रवैया अपनाने की बजाय जेलेंस्की यूक्रेन युद्ध का पूरा इतिहास बयान करने लगे। इसका निष्कर्ष यह था कि रूस और राष्ट्रपति पुतिन के साथ कूटनीति का रास्ता अपनाना बेमानी है। यह कथन अमेरिकी सरकार की यूक्रेन नीति की सीधी आलोचना थी। यहीं से व्हाइट हाउस में घमासान शुरू हुआ। जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस के कथनों पर टीका-टिप्पणी जारी रखी। उन्होंने जब वेंस से कहा कि तेज आवाज में मत बोलिए। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया। उन्होंने तीखी भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि 'आप लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। आप तीसरा विभ युद्ध शुरू करना चाहते हैं।' ट्रंप इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन यदि आज कायम है तो इसका कारण यह है कि अमेरिका उसे आधुनिक हथियार दे रहा है। यदि हथियारों की आपूर्ति नहीं हो तो यूक्रेन कुछ ही दिनों में निपट जाएगा। वाक युद्ध के इस चरण में भी जेलेंस्की ने माहौल सामान्य बनाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। पूरे प्रकरण में वेंस ने जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप का अपमान कर रहे हैं। कूटनीति में ऐसे अवसर आते हैं जब नेताओं में आपस में नोक-झोंक होती है, लेकिन ऐसा बंद कमरे की बातचीत में होता है। व्हाइट हाउस में यह सब कुछ दुनिया की मीडिया के सामने हुआ। अंत में ट्रंप ने मजाक में टिप्पणी की कि टेलीविजन के लिए अच्छी खबर बनी। लेकिन उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने जेलेंस्की को सबक सिखाया। दुर्लभ खनिज के खनन के लिए होने वाले समझौते के कार्यक्रम और अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ संदेश दिया कि जेलेंस्की से आगे बातचीत नहीं हो सकती। जेलेंस्की अगले कार्यक्रम के इंतजार में व्हाइट हाउस में बैठे रहे। इस पर प्रोटोकॉल अधिकारी ने उनसे कहा कि आप यहां से जा सकते हैं। दुनिया के सामने 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले' कि युक्ति चरितार्थ हो गई। लेकिन बात जेलेंस्की को फटकार सुनाये जाने पर ही नहीं रुकती। यह यूक्रेन युद्ध को जारी रखने पर आमादा खंस, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों पर भी ट्रंप का प्रहार है। अमेरिका के तटस्थ होने पर यूरोपीय देशों के लिए संभव नहीं है कि वह युद्ध को लंबे समय तक जारी रख सकें।

जहां तक अमेरिका यूक्रेन के संबंधों का सवाल है जेलेंस्की के सत्ता से हटने और नये राष्ट्रपति की नियुक्ति के बाद ही रिश्ते पटरी पर आ सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सिकंदर की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर हुआ बदलाव, सलमान खान ने फिल्माया फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट गाना

सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन सिकंदर के लिए फिर शूटिंग की। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

आखिरी समय पर जोड़ा गया गाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गाना आखिरी समय में जोड़ा गया था, लेकिन सलमान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला को लगा कि यह दर्शकों का ध्यान खींचने का एक शानदार तरीका होगा। इसे बहुत बड़े पैमाने पर शूट किया जा रहा है और यह प्रमोशनल धमाकेदार अभियान का एक अभिन्न हिस्सा होगा।

इस दिन पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अगले हफ्ते तक टीम इस ट्रैक को पूरा कर लेगी। इसके साथ ही मुरुगादॉस 8 मार्च को सिकंदर की शूटिंग पूरी कर लेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। यह शूटिंग शुरुआती योजना से थोड़ी देर बाद होगी। टीम को राजकोट में दो दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन वे हिस्से पहले ही मुंबई में शूट हो चुके हैं।

सलमान खान के लिए खास गाना

फिल्म की टीम के अनुसार, सलमान की फिल्मों में गानों की भूमिका हमेशा अहम रही है, चाहे वह जुम्मे की रात हो या स्वैग से स्वागत। इस ट्रैक के लोगों की यादों में बने रहने की उम्मीद है। इस वजह से आखिरी समय पर फिल्म में यह गाना डाला गया है, ताकि यह चार्टबस्टर बन सके। वहीं, इस साल का सबसे मशहूर गाना भी हो।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं, बात करें सिकंदर के कलाकारों के बारे में तो एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

फिल्में हैं पहला प्यार
लव लाइफ के बारे में बोलीं सामांथा रुथ प्रभु

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। सिटाडेल फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाराम फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि रक्त ब्रह्मांड सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार सिटाडेल; हनी बनी में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।

कैंसर के इलाज के बाद शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार शिवा राजकुमार, आरसी 16 पर साझा किया अपडेट

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार ने हाल ही में कैंसर से अपनी लड़ाई और कीमोथेरेपी के दौरान फिल्मांकन के दौरान सामना किए गए संघर्षों के बारे में बात की। जब अभिनेता को कैंसर का पता चला था तो उन्हें सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी कैंसर संस्थान में भर्ती कराया गया था। अभिनेता एक सफल प्रक्रिया से गुजरे और अब वह अपनी आगामी फिल्मों के सेट पर लौटने के लिए तैयार हैं।

डरे हुए थे अभिनेता

हाल ही में शिवा राजकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने कीमोथेरेपी के दौरान काम करना जारी रखा। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला तो मैं डर गया, जैसा कि कोई भी होगा। डर का कारक हमेशा होता है, लेकिन सवाल यह था कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? आपको इसका सामना करना होगा। मैंने केवल एक ही सवाल पूछा कि क्या मैं यह प्रोजेक्ट 45 द मूवी पूरा कर सकता हूं।

इलाज के दौरान काम जारी रखा

उन्होंने आगे बताया, मैं डांस कर्नाटक डांस में जज भी था और अगर मैं कीमो लेता तो मेरे बाल झड़ जाते। मैं थोड़ा चिंतित था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें जल्द ही थेरेपी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि वे आवश्यक उपचार के दौरान काम करना जारी रख सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या कीमोथेरेपी के दौरान एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का अनुभव हुआ तो शिवा राजकुमार ने कहा, मैं थका हुआ रहता था। मैं कीमो सेशन के दो दिन बाद ही शूटिंग के लिए जाता था। जब आप 45 का क्लाइमेक्स देखेंगे तो आप चौंक जाएंगे, यह सोचकर कि शिवन्ना ने ऐसा कैसे किया?... मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे इससे बाहर निकलने में मदद की।

अभिनेता ने आगामी फिल्मों पर साझा किया अपडेट

उन्होंने अपने परिवार, फिल्म बिरादरी और अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसने उन्हें इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। साथ ही शिवा राजकुमार ने अपनी अगली फिल्मों पर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरी 131वीं फिल्म की 20-25 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है। मुझे अब उस पर काम करना शुरू करना है। मैं राम चरण की फिल्म आरसी 16 में एक स्पेशल परफॉर्मेंस कर रहा हूं। मेरे पास हेमंत के साथ एक फिल्म है। उन्होंने आगे कहा, मैं 3 मार्च से अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करूंगा। मैं 5 मार्च को हैदराबाद में राम चरण की आरसी 16 की टीम में शामिल हो जाऊंगा और 8 मार्च तक शूटिंग करूंगा।

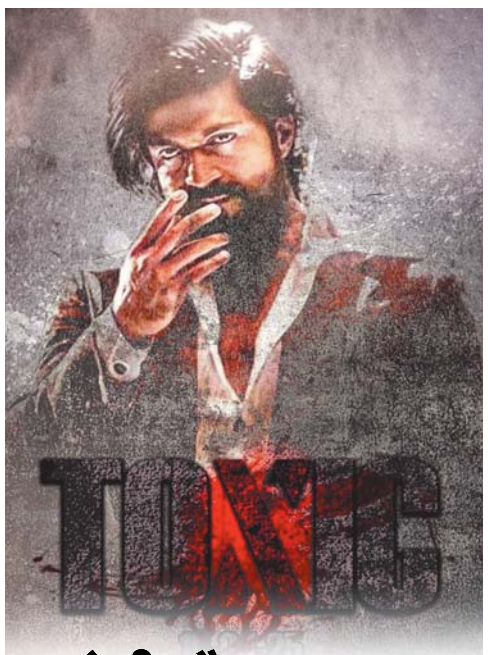

अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में होगी शूट टॉक्सिक

'केजीएफ' फेम एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक पहली ऐसी बड़े पैमाने की भारतीय फिल्म होगी जिसका लेखन और फिल्मांकन अंग्रेजी और भारतीय भाषा कन्नड़ दोनों में किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। यश की 'टॉक्सिक' को निर्देशक गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। वह क्रॉस-कल्चरल स्टोरीटेलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट की गई इस फिल्म का उद्देश्य विश्व स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है। कन्नड़ भारतीय दर्शकों को बारीकियों से समझती है, जबकि अंग्रेजी दुनिया भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करती है। फिल्म को लेकर इसकी निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, टॉक्सिक के लिए हमारा विजन एक ऐसी कहानी तैयार करना था, जो भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ तालमेल बिठा सके। हमने कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में कहानी की बारीकियों को पकड़ने का प्रयास किया है, जिससे अलग-अलग भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के दर्शकों के लिए एक प्रामाणिक मिल सके। टॉक्सिक कलात्मक दृष्टि और व्यावसायिक कहानी कहने की सटीकता रखती है। इसे दुनिया भर के दिलों और दिमागों से जुड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

मैंने कभी भी एक जैसा रोल नहीं निभाया

भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हस्बैंड कर बीवी रिलीज हो गई है। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं। अब भूमि ने एक इंटरव्यू में कहा... मैंने कभी एक ही तरह की महिला का किरदार नहीं निभाया। मैंने हमें एक अलग बोली अपनाई है। अपनी फिल्मों के लिए मेरी भाषा पर पकड़ और नियंत्रण बहुत अच्छा है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी एक तय खांचे में फिट रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस डर से काम के लिए ना नहीं करने वाली कि मुझे एक निश्चित किरदार के साथ सीमित कर दिया जाएगा। मैं इसकी चिंता नहीं करती। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि पिछले 10 सालों में मुझे अलग-अलग काम करने का अवसर मिला है। मुझे अपने काम पर बहुत गर्व है। मैं जानती हूं कि महिलाएं हमेशा सवालों के कटघरे में रही हैं और रहती हैं।

मेकर्स को पठान का प्रीक्वल बनाना चाहिए

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म डिप्लौमेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लौमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म पठान का प्रीक्वल भी बनाएं। एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं... मैं किसी फैंचाइज फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म पठान में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था। आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैंक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। पठान में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। जॉन फिल्म डिप्लौमेट के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें तेहरान और तारिक जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

इन दिनों अपनी वेब सीरीज ऊप्स! अब क्या? को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में सोनाली से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत -

आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं?

निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। मिशन कश्मीर मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है।

सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है?

मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े।

कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं?

जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं।

सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है?

सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब, फाइनल में केरल को हराया

दुबई (एजेंसी)। नागपुर - विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया।

विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय वड़कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया।

दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

विराट 300वें एकदिवसीय खेलने वाले सातवें भारतीय क्रिकेटर बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। विराट 300 एकदिवसीय खेलने वाले सातने भारतीय क्रिकेटर बने हैं।

विराट इस मैच में उतरते ही महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह के 300 एकदिवसीय खेलने के क्लब में शामिल हो हो गये। विराट कोहली ने 300 एकदिवसीय की 288 पारियों में 14085 रन बनाये हैं। वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं उन्होंने 73 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका औसत 58.2 का का है। विराट हालांकि अपने 300 वें मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन 18426 बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। इसके बाद श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगाकारा ने 404 मैच खेलते हुए 25 शतक के जरिए 14234 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली 14085 रनों के साथ नंबर तीन पर हैं।

रोहित शर्मा के नाम जुड़ा अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड, बतौर कप्तान लगातार 10 टॉस हारने वाले तीसरे कप्तान बने

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का 12वां मुकाबला खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत और न्यूजीलैंड मैच में टॉस होते ही भारतीय टीम वनडे में लगातार 13वीं बार टॉस हार गई है। इस शर्मनाक रिकॉर्ड में बतौर कप्तान रोहित शर्मा का योगदान सबसे ज्यादा रहा है।

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान भारत 13वीं बार टॉस हारा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने कुल तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में रोहित टॉस हार गए हैं। हालांकि, मैच में टीम को जीत नसीब हुई है। बतौर कप्तान रोहित शर्मा लगातार 10वीं बार वनडे में टॉस हार चुके हैं। इसके साथ ही उनका नाम एक अनचाहे रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। रोहित से ज्यादा बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है। लारा अक्टूबर 1998 से मई 1999 तक कुल 12 बार टॉस हारे थे। वहीं पीटर बोरेन मई 2011 से अगस्त 2013 तक 11 बार टॉस हार चुके हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नवंबर 2023 से मार्च 2025 तक कुल 10 बार टॉस गंवा चुके हैं। बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल से टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर 2023 में आखिरी बार वनडे में टॉस जीता था। जिसके बाद कुल 13 बार टॉस हुए हैं और भारतीय टीम ने सभी टॉस गंवाए हैं। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ने तीन वनडे सीरीज खेली है और इन सीरीज में सभी टॉस हारे हैं। इस दौरान केएल राहुल ने भी टीम की कमान संभाली थी।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान के बाहर होने से स्थानीय फैंस का क्रेज खत्म, सेमीफाइनल पर पड़ेगा असर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसकों ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम के जल्दी बाहर होने और रमजान की शुरुआत के बाद टूर्नामेंट को लेकर रुचि खो दी है। शनिवार को इंग्लैंड-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए यहां नेशनल स्टेडियम में मुश्किल से कुछ हजार लोग थे और आयोजन स्थल पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने राहत की सांस ली कि उनके लिए टूर्नामेंट लगभग खत्म हो गया है।

स्टेडियम में तैनात एसएसपी इमरान जमील ने कहा, 'पिछले दो सप्ताह हमारे लिए कठिन और तनावपूर्ण रहे हैं, इसलिए अब हम काफी राहत महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड के साथ मैच में भी अपेक्षाकृत शांति रही।' 19 फरवरी को कराची में शुरू हुए चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए कराची में कम से कम 7000 पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक रेंजर्स और यहां तक ??कि कुछ सैन्य इकाइयां भी ड्यूटी पर थीं। लेकिन जमील ने कहा कि टीमों, अधिकारियों, मीडिया और प्रशंसकों के लिए राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का काम इस मेगा इवेंट की शुरुआत से पहले ही शुरू हो गया था, क्योंकि लाहौर और कराची में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाली तीन देशों की प्रतियोगिता होने वाली है।

उन्होंने कहा, 'अब सुरक्षाकर्मी रमजान में सामान्य ड्यूटी पर लौट सकते हैं।' शनिवार को कॉलेज के दोस्तों के एक समूह के साथ आईं दो बहनों फरिहा और फैजा ने कहा कि पाकिस्तान के बिना चैंपियंस ट्रॉफी उनके लिए खत्म हो गई है। फैजा ने कहा, 'हम आज आए हैं, क्योंकि हमने पहले ही मैच के लिए टिकट खरीद लिए थे।'

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की है कि रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो मैचों के लिए अलग-अलग परिसरों के लिए टिकट लाने वाले सभी दर्शकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा। बुरी खबर यह है कि जिन प्रशंसकों ने आतिथ्य और गैलरी दृश्यों के लिए प्रीमियम का भुगतान किया था, उन्हें कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा। टूर्नामेंट के तीन मैच बारिश से प्रभावित रहे, जिनमें से आखिरी मैच अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

क्रिकेट पत्रकार और विश्लेषक महमूद रियाज ने कहा कि घरेलू टीम के प्रदर्शन के कारण चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी निराशाजनक रही। उन्होंने कहा, 'हम इतने सालों के बाद एक बड़े आईसीसी इवेंट की मेजबानी कर रहे थे और लोग उत्साहित थे, लेकिन टीम ने वास्तव में सभी को निराश किया।' 65 वर्षीय तौसीफ सिद्दीकी ने नेशनल स्टेडियम में कभी भी कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, 'त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में और 19 मार्च को न्यूजीलैंड से पाकिस्तान को दो बार हारते देखना हमारे लिए बहुत बड़ी निराशा थी।' उन्होंने कहा कि कराची में होने वाले मैचों के लिए अपने और अपने दोस्त के लिए टिकट खरीदने पर लगभग 60,000 पाकिस्तानी रुपए खर्च किए थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार से रमजान शुरू होने के कारण सेमीफाइनल के लिए लाहौर में भी भीड़ जुटाना मुश्किल होगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'आम तौर पर लोग रमजान के पहले दो हफ्तों में उपवास तोड़ने के बाद घर पर रहते हैं और तरावीह की नमाज पढ़ते हैं और वे पवित्र महीने के पहले 15-20 दिनों के बाद इफ्तार के बाद ही बाहर निकलते हैं।'

पीसीबी गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल के लिए मुफ्त इफ्तार बॉक्स उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने दुबई में होने वाले मैचों के लिए किया है। उन्होंने कहा, 'अगर सेमीफाइनल के लिए बड़ी संख्या में भीड़ नहीं होगी तो यह निराशाजनक होगा। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।'

अफगानिस्तान के खिलाड़ी धैर्य रखकर खेलें तो आने वाले समय में जीत सकते हैं आईसीसी ट्रॉफी : स्टेन

जोसंसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार का प्रदर्शन करती रही तो आने वाले समय में आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है। स्टेन के अनुसार अभी देखा जाये तो अफगानिस्तान की टीम पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश से आगे नजर आती है। अफगानिस्तान की टीम भारत के बाद एशिया की दूसरी सबसे अच्छी टीम बनकर उभरी है। स्टेन के अनुसार अफगानिस्तान के खिलाड़ी जिस दिन संयम से खेलना सीख लेंगे। उस दिन ववे आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार अफगानिस्तान की टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी। तब उसने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था जबकि पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम में वह सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। ऐसे में अब अफगान टीम सफेद गेंद के टूर्नामेंट में एक मजबूत टीम बनती जा रही है। स्टेन ने कहा, 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम सोशमी मीडिय की स्टोरी को भी मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। वह एक बार जब इसे हासिल कर लेंगे तो आने वाले समय में आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।' स्टेन ने कहा, 'वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। टीम गेंदबाजों में संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में ही उसे बल्लेबाज छक्का मारने का प्रयास करते हैं।

हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है : ब्रेंडन मैकुलम

स्पोर्ट्स डेस्क । इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम लगातार दो आईसीसी वनडे टूर्नामेंटों से पहले दौर में बाहर होने के बाद काफी मुश्किल में है। इंग्लैंड पहले भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गया। दोनों टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन का एक जैसा ही नजारा देखने को मिला। बल्लेबाजी आक्रमण में 50 ओवरों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने के लिए कोई खाका नहीं था और तेज गति के गेंदबाजों के बावजूद गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिख रहा था। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने टूर्नामेंट के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट से हार के बाद कहा, 'हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, जाहिर तौर पर हम बहुत निराश हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें टूर्नामेंट को धमाकेदार तरीके से खत्म करने की बहुत उम्मीद थी, लेकिन हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है। हम अगले कुछ हफ्तों में अपनी सोच को बदलेंगे और अपने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में सुधार के लिए प्रयास करना शुरू करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम इस पर पूरी तरह से ध्यान दें और ऐसा तरीका खोजें जिससे हम खुद को उस स्थिति में वापस ला सकें जहां हमें होना चाहिए।' मैकुलम ने कहा कि भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला इंग्लैंड के लिए टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार होने का एक अच्छा अवसर था। हालांकि वे द्विपक्षीय मैच में भारत के खिलाफ अपनी व्यापक हार से सीखने में विफल रहे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी इसी तरह की गलतियां दोहराई गईं। इंग्लैंड के कीवी कोच ने स्वीकार किया, 'मुझे लगा कि भारत ने वास्तव में हमारे लिए अच्छी तैयारी की, भले ही हम वहां आसानी से हार गए। मुझे लगा कि यह एक प्रमुख टूर्नामेंट में आने से पहले जितनी अच्छी तैयारी हो सकती थी, उतनी ही थी और जाहिर है कि हमारे पास पहले दो मैचों में अपना मौका था, लेकिन आज रात हमने जो देखा, वह शायद इस बात का उदाहरण था कि हम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हैं। जब दबाव डाला गया तो हम उसका सामना नहीं कर पाए और हम अपना रास्ता नहीं बना पाए और मुझे लगता है कि मैंने कल फिर से आपसे कहा था कि मुझे लगा कि हममें आत्मविश्वास की कमी है और मुझे लगता है कि आज इसका एक और उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया का 'नीली जर्सी' से 36 का आंकड़ा, ट्रेविस हेड बना बड़ा खतरा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस तरह खाने की चीज़ देखकर मुँह में पानी आ जाता है या बच्चों को खिलौना देखकर खुशी मिलती है, उसी तरह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को नीली जर्सी वाली टीमों को हराने में अलग ही जोश आता है। कंगारू टीम के लिए जैसे ही नीली जर्सी सामने आती है, उनकी रगों में उबाल आ जाता है और वे अपने पुराने अंदाज में लौट आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला।

हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया से अब तक सामना नहीं हुआ, लेकिन फिर भी दो ऐसी टीमें थीं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरीं और दोनों टीमें इंग्लैंड और अफगानिस्तान का हश्र एक जैसा रहा। संयोग से दोनों ही टीमों की जर्सी नीले रंग की थी और दोनों को कंगारुओं ने मात दी। ऑस्ट्रेलिया के रेगुलर कप्तान पैट कमिंस, स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद यह टीम जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। जब इंग्लैंड ने लाहौर में 351 रन बनाए तो ऐसा लगा कि वे मुकाबला जीत लेंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लिस के शतक की बदौलत यह लक्ष्य भी हासिल कर लिया। इसके बाद अफगानिस्तान को भी कंगारुओं ने करारी शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया की इस लय के पीछे एक नाम है ट्रेविस हेड। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए नीली जर्सी वाली टीमों के खिलाफ खेलना जैसे किसी मिशन से कम नहीं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन ठोक डाले, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 147 का रहा। अगर थोड़ा पीछे जाएं, तो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भी यही हुआ था। भारत के खिलाफ हेड ने 120 गेंदों पर 140 के स्ट्राइक रेट से 137 रन जड़ दिए थे, जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उस पारी ने भारत का तीसरी बार वर्ल्ड कप जीतने का सपना तोड़ दिया था। इतना ही नहीं, 2023 में हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया और भारत का आमना-सामना हुआ था, और वहां भी हेड ने शतक ठोककर भारत को शिकस्त दिलाई थी।

भारत को रहना होगा सतर्क!

इतिहास गवाह है कि ऑस्ट्रेलिया जब भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में भारत से भिड़ा है, उसने ज्यादातर मौकों पर बाजी मार ली है। भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, और अगर फाइनल में उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होता है, तो रोहित शर्मा एंड कंपनी को कंगारुओं से बचने के लिए खास रणनीति बनानी होगी। क्या इस बार भारत 'नीली जर्सी' के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अजेय रिकॉर्ड को तोड़ पाएगा? यह देखना दिलचस्प होगा!

प्रज्ञानानंदा ने लगातार अपनी दूसरी जीत हासिल की, जर्मनी के विंसेंट केमेर को दी मात

मुम्बई । ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अराविंद चिदंबरम के साथ टॉप पर है। अराविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि टॉप वरीयता प्राप्त चीन के वेई यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाई देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अराविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ अंक हैं। बता दें कि, इससे पहले आर प्रज्ञानानंदा ने डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज खिताब जीता था। पहली बार किसी भारतीय ने ये खिताब अपने नाम किया था।

बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान? टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा? इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है।

इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है।

अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं। वे शॉर्ट फॉर्मेट में उनकी टीम में जगह भी फिलहाल पक्की है। ऐसे में वे कप्तानी के दावेदार हैं। इसके अलावा जो रूट और बेन स्टोक्स भी ब्रैंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' : सेबेस्टियन को

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने 'पीटीआई' से विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।'' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीये, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए।

'मैंने वेट्रेस के तौर पर काम किया' : गुजरात जायंट्स की ऑलराउंडर का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स की इंग्लिश ऑलराउंडर डेनियल गिब्सन ने खुलासा किया कि वह पूर्णकालिक क्रिकेटर बनने से पहले वेट्रेस के तौर पर काम करती थीं, हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं था। गिब्सन ने पैसे कमाने के लिए एक स्थानीय पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। उन्होंने WPL 2025 मिनी-नीलामी में जायंट्स से 30 लाख रुपए का अनुबंध हासिल किया। गिब्सन ने 22 टी20आई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि वह महिला प्रीमियर लीग में अपना व्यापार करके अच्छी खासी कमाई कर रही हैं, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। गिब्सन ने रैपिड-फायर सेशन के दौरान बोलते हुए कहा, 'मैंने इंग्लैंड में एक पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। मुझे इसमें मजा नहीं आया।'

उसी वीडियो में गिब्सन ने बताया कि पहली बार वह 18 साल पहले लॉर्ड्स में लाइव क्रिकेट मैच देखने गई थी, जब वह सिर्फ छह साल की थी। उसने आगे बताया कि वह अपने भाइयों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हुए देखने गई थी। जब गिब्सन से उनके पहले क्रिकेट हीरो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम लिया। उन्होंने बताया कि उनका पहला फोन सैमसंग टचस्क्रीन डिवाइस था। जब उनसे उनके पहले टैटू के बारे में पूछा गया तो गिब्सन ने कहा, 'मुझे क्रिकेट पसंद नहीं, बहुत पसंद है। 2001 में ग्लॉस्टरशायर में जन्मी गिब्सन ने जुलाई 2023 में बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई में इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया। वह आखिरी बार पिछले महीने नॉर्थ सिडनी में गवर्नर-जनरल XI महिलाओं के खिलाफ महिला एशेज टूर गेम में नजर आई थीं, जहां उन्होंने 3-0-14-0 की अच्छी गेंदबाजी की थी। जायंट्स के अलावा गिब्सन एडिलेड स्ट्राइकर्स और लंदन स्पिरिट के लिए भी खेल चुके हैं। इस बीच एशले गार्डनर ने 31 गेंदों पर 58 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर टीम की अगुआई की जिससे निचले पायदान पर मौजूद जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर छह विकेट से जीत दर्ज करके अपनी हार का सिलसिला तोड़ा। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए जायंट्स ने डिएंड्रा डॉटिन (2/31) और तनुजा कंवर (2/16) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बेंगलुरु को 125/7 के औसत स्कोर पर ही रोक दिया। जायंट्स ने बेंगलुरु के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 17 ओवर लिए और अब उनका अगला मुकाबला 3 मार्च को लखनऊ में यूपी वॉरियर्स से होगा।

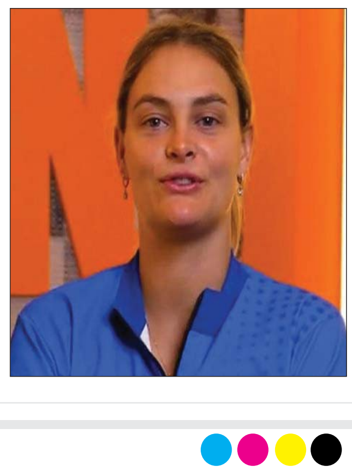

संक्षिप्त समाचार

दक्षिणी चीन में नदी में पोत और नौका की टक्कर होने से कम से कम 11 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हैं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी। देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि मंगलवार की सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में हुई दुर्घटना के दौरान 19 लोग पानी में गिर गए जिनमें से तीन को उसी दिन बचा लिया गया। दुर्घटना उस स्थान पर हुई जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1,600 फुट) चौड़ी है। शिन्हुआ ने बताया कितलाश एवं बचाव अभियान जारी रखी। दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने शंघाई के समाचार पत्र 'द पेपर' को बताया कि नौका ही उनके गांव में आने-जाने का मुख्य साधन है। 'द पेपर' द्वारा प्राप्त एक वीडियो में तेल रिसाव को साफ करने वाला एक बड़ा पोत शांत पानी में नौका को पीछे से टक्कर मारता दिखाई दे रहा है। चीन की समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि पोत पर सवार तीन लोग पुलिस की जांच के दायरे में हैं और उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ है।

आंचलिक क्षेत्र के लोगों के जीवन पर शी चिनफिंग का विशेष ध्यान

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि चीनी आधुनिकीकरण में जनकल्याण सर्वोपरि है। सत्तारूढ़ पार्टी और सरकार के सभी कार्यों का उद्देश्य जनता को बेहतर जीवन दिलाना है। वे हमेशा आम लोगों खासकर सुदूर क्षेत्र के लोगों के जीवन का विशेष ध्यान रखते हैं। शीपातुंग गांव दक्षिण चीन के हुनान प्रांत में स्थित एक पहाड़ी गांव है। नवंबर 2023 में शी चिनफिंग गरीबी उन्मूलन के निरीक्षण के लिए यहां आए थे। उस समय गांव में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय सिर्फ 1,600 युआन थी। शी चिनफिंग ने गांववासियों के साथ बातचीत में कहा कि गरीब क्षेत्र को अपनी ठोस स्थिति के मुताबिक आय बढ़ाने का रास्ता निकालना चाहिए। यहां शी ने पहली बार लक्षित तरीके से गरीबी दूर करने का विचार रखा। शीपातुंग गांव के किसानों को शी की बात से प्रेरणा मिली। उन्होंने स्थानीय कढ़ाई व्यवसाय, कीवी उद्यान और किसान होटल का विकास किया। वर्ष 2017 में इस गांव को अति गरीबी से छुटकारा मिला और वर्ष 2024 में प्रति व्यक्ति आय 28 हजार युआन हो गई। वर्ष 2018 के वसंत त्योहार के पहले शी चिनफिंग ने दक्षिण पश्चिमी चीन के सछ्वांग प्रांत के पहाड़ों में स्थित चाओछुए जिले का दौरा किया और स्थानीय लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चीन समाजवादी रास्ते पर चलता है। समाजवाद जनता को सुखमय जीवन दिलाता है, जिसमें एक ही जाति, परिवार व व्यक्ति पीछे नहीं रहने देना है। वर्ष 2024 तक चीन ने 50 राष्ट्रीय आधुनिक कृषि व्यवसाय पार्क और 200 शक्तिशाली कृषि कस्बे स्थापित किए। देश में अनाज का कुल उत्पादन पहली बार 7 खरब किलोग्राम से अधिक हो गया। ग्रामीण पुनरुत्थान का नया अभियान चीन की विशाल भूमि पर चलाया जा रहा है।

'धन्यवाद अमेरिका', 'धन्यवाद अमेरिकी राष्ट्रपति : ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बहस के बाद जेलेंस्की ने कहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उनपर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। इसके जवाब में जेलेंस्की अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना व्हाइट हाउस से रवाना हो गए। व्हाइट हाउस से प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद, जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों का धन्यवाद। यूक्रेन को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता है, और हम बस उसी के लिए काम कर रहे हैं।

मेक्सिको ने 40 साल बाद अमेरिका को ड्रग माफिया सौंपा

2500 एकड़ में गांजे की खेती, अमेरिकी एजेंट की हत्या; कुत्ते ने झाड़ी से पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। मेक्सिको ने 40 साल पहले अमेरिकी एजेंट की हत्या करने वाले ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो को अमेरिका का सौंप दिया है। क्विंटेरो एफबीआई की टॉप-10 वॉन्टेड की लिस्ट में था। ऐसे दावे किए गए थे कि वो अमेरिकी जांच एजेंसी सीआईए के अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने काम करवाता था। जब उसे पकड़ा गया, तो 40 साल की जेल हुई। लेकिन 28 साल जेल में काटने के बाद वो 2013 में फरार हो गया था। 10 साल बाद मेक्सिको के एक राज्य से एक खोजी कुत्ते ने ढूंढ निकाला।

किसान के घर पैदाइश, 2500 एकड़ में गांजे की खेती : राफेल कारो क्विंटेरो, मेक्सिको के सिनालोआ प्रांत के बदीरागुआतो में 24 अक्टूबर 1952 को पैदा हुआ था। यह इलाका मेक्सिको के कुख्यात ड्रग लाईस (माफिया) का गढ़ रहा है। सबसे कुख्यात तस्करों में से एक जोआक्विन एल चापो गुजमैन भी इस इलाके से रहा है। क्विंटेरो एक गरीब किसान परिवार में पैदा हुआ था। उसने बचपन में ही खेतों में करना शुरू कर दिया था। कम उम्र में ही उसे ड्रग के बिजनेस में में ज्यादा पैसा कमाने की संभावना दिखी। उसने दो बड़े ड्रग माफियाओं मिगेल एंजेल फेलिक्स गालार्डो और एर्नेस्टो फोंसेका करिलो के साथ मिलकर, ग्वाडलहारा कार्टेल शुरू किया। क्विंटेरो ने अपने कार्टेल को बड़ा करने के लिए बड़े पैमाने पर गांजे की खेती शुरू की। उसने मेक्सिको के चिहुआहुआ राज्य में 2500 एकड़ में एक खेत तैयार किया।

इस खेती ने ग्वाडलहारा कार्टेल को ड्रग के बिजनेस में ताकतवर बना दिया था। यह कार्टेल मेक्सिको के पहले संगठित ड्रग कार्टेल में से एक था। यह गिरोह अमेरिका में मारिजुआना (गांजा) और हेरोइन की तस्करी करता था। बाद में इस कार्टेल ने कोलंबिया के कई कार्टेल्स के साथ मिलकर कोकीन की तस्करी का धंधा भी शुरू कर दिया।

अमेरिकी एजेंट को बेरहमी से पीटकर मारा : इस कार्टेल ने मेक्सिको और अमेरिका के बीच ड्रग ट्रैफिकिंग रूट पर कब्जा जमा लिया था। कार्टेल की बढ़ती ताकत ने उसे अमेरिकी ड्रग इन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) की नजरों में ला दिया। 1980 के दशक की शुरुआत में, डीईए ने मेक्सिको के कार्टेल्स पर कार्रवाई तेज कर दी। एजेंसी का एक अंडरकवर एजेंट एनरिक कीकी कैमारेना, ग्वाडलहारा कार्टेल के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए काम कर रहा था। कैमारेना के इनपुट से डीईए को 1984 में कार्टेल के खेत के बारे में पता चल गया। इसके बाद एजेंसी ने खेत को नष्ट कर दिया, जिससे कार्टेल को बड़ा झटका लगा। क्विंटेरो ने इसका बदला लेने के लिए अमेरिकी एजेंट कैमारेना को किडनैप करने और उसकी हत्या करने का ऑर्डर दिया। क्विंटेरो के आदेश पर उसके लोगों ने फरवरी 1985 में कैमारेना को पकड़ लिया। उसे बेरहमी से पीटा गया और घंटों तक पूछताछ के बाद मार दिया। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि क्विंटेरो ने यूएस की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के अधिकारियों से सांठगांठ कर ली थी। वह इन अधिकारियों को मोटी रिश्वत देकर अमेरिका में अपने काम कराता था। डीईए के एजेंट एनरिक कैमारेना को इसकी जानकारी हो गई थी। जिसके बाद क्विंटेरो ने उसका अपहरण कर लिया और हत्या कर दी। हालांकि सीआईए इस आरोप से इनकार करती है कि उनका क्विंटरो से कोई कनेक्शन था।

40 साल कैद मिली, फिर फरार हुआ : अमेरिकी ने एजेंट कैमारेना की हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन लयेन्डा शुरू किया। डीईए ने राफेल कारो क्विंटेरो को पकड़ने और उसके कार्टेल को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाया। इसके लिए अमेरिकी सरकार ने मेक्सिको पर दबाव बनाना शुरू किया। अमेरिका के दबाव में मेक्सिको ने अप्रैल 1985 में क्विंटेरो को कोस्टा रिका से गिरफ्तार किया। उसे 40 साल की सजा सुनाई गई। 28 साल सजा काटने के बाद मेक्सिको की लोअर कोर्ट ने क्विंटेरो को साल 2013 में जेल से रिहा कर दिया। कोर्ट ने कहा कि क्विंटेरो पर गलत तरीके से मुकदमा चलाया गया था। हालांकि, इससे अमेरिका बेहद नाराज हुआ। उसने फिर से ड्रग का व्यापार शुरू किया और अपने पुराने इलाकों को वापस कंट्रोल में लेने की कोशिश करने लगा। इसकी वजह से क्विंटेरो के कार्टल का, सिनालोआ और जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल जैसे ताकतवर कार्टेल्स से संघर्ष शुरू हो गया।

जेलेंस्की का ट्रंप के साथ अपने व्यवहार के लिए माफी मांगने से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शुक्रवार दोपहर को एक बैठक के दौरान तीखी बहस हुई. इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फॉक्स न्यूज को दिए एक स्पेशल इंटरव्य में उनके और उनके अमेरिकी समकक्ष के बीच जो कुछ भी हुआ उसके लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया. इटरव्यू के दौरान जेलेंस्की अपनी बात पर अड़े रहे और इस विवाद के लिए माफी नहीं मांगी, लेकिन उन्होंने इस घटना को दोनों पक्षों के लिए अच्छा नहीं माना. हालांकि, जेलेंस्की ने कहा कि अगर अमेरिका अपना समर्थन वापस ले लेता है तो यूक्रेन को रूस से बचाना हमारे लिए मुश्किल होगा. उन्होंने खेद व्यक्त किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टकराव को टेलीविजन पर दिखाया गया, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा, कृपया सही रहें. मैं विनम्र होना चाहता हूं. यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें राष्ट्रपति ट्रंप से माफी मांगनी चाहिए, जेलेंस्की ने कहा, नहीं, मैं राष्ट्रपति का सम्मान करता हूं और मैं अमेरिकी लोगों का भी सम्मान करता हूं. मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ बुरा किया है. ओवल ऑफिस में टकराव की योजना पहले से बनाई गई थी या नहीं, इस पर अपनी टिप्पणी साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक कठिन स्थिति है. इससे पहले उन्होंने विवादास्पद वार्ता के दौरान अपने देश के संबंध में की गई कुछ कठोर टिप्पणियों का उल्लेख किया. उन्होंने अमेरिका का जिक्र करते हुए कहा, हमारी दोस्ती कहां है? यूक्रेन में न्याय और स्थायी शांति के लिए अपने उद्देश्य पर अड़े जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि खनिज सौदा सुरक्षा गारंटी की संरचना का हिस्सा है. इसके विपरीत, ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच संबंधों में हुए विकास को देखते हुए बेयर ने पूछा कि क्या ट्रंप पुतिन के बहुत करीब हैं।

चेक गणराज्य में मालगाड़ी पटरी से उतरी, रासायनिक पदार्थ के कारण लगी आग

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी क्षेत्र में एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के बाद उसके क्षतिग्रस्त टैंक में रखे कैंसरकारी रासायनिक पदार्थ 'बेंजीन' के कारण आग लग गई। यह दुर्घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे 'हुस्टोपेस नाद बेकवू' शहर में स्टेशन के पास हुई और आग लगने के कारण निकला काला धुआं दूर से दिखाई दे रहा था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस दुर्घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बताया कि ट्रेन के 17 में से 15 टैंक में आग लग गई। प्रत्येक टैंक में लगभग 60 मीट्रिक टन जहरीला पदार्थ था। उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया और पड़ोसी स्लोवाकिया से उनके समकक्ष मदद के लिए पहुंच रहे हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि शहर में खतरनाक पदार्थों का स्तर सीमा से अधिक नहीं पाया गया है।

लंदन उच्च न्यायालय ने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ संजय भंडारी की अपील स्वीकार की

लंदन, एजेंसी। लंदन उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय भंडारी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील मंजूर कर ली। रक्षा क्षेत्र के सलाहकार भंडारी पर कथित कर चोरी और धनशोधन के आरोप हैं। लॉर्ड न्यायमूर्ति टिमोथी होलोयडे और न्यायमूर्ति करेन स्टेन ने पिछले साल दिसंबर में सुनवाई के बाद मानवाधिकार के आधार पर 62 वर्षीय व्यवसायी की अपील को स्वीकार करते हुए अपना फैसला सुनाया। अदालत ने अब नवंबर 2022 में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के आधार पर भारत में आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के प्रत्यर्पण आदेश से उन्हें ''मुक्त'' करने का आदेश दे दिया है। फैसले में कहा गया, ''उपलब्ध कराए गए सभी साक्ष्यों और सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए, जिसमें नए साक्ष्य भी शामिल हैं, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि तिहाड़ जेल में अपीलकर्ता (भंडारी) को अन्य कैदियों और/या जेल अधिकारियों से धमकी या वास्तविक हिंसा के साथ जबरन वसूली का वास्तविक खतरा होगा।'' अपील इस आधार पर स्वीकार की गई कि भंडारी का प्रत्यर्पण यूरोपीय मानवाधिकार संधि (ईसीएचआर) के अनुच्छेद 3 के तहत उसके अधिकारों के अनुरूप नहीं होगा, जो कि प्रत्यर्पित किए जाने पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में उसे कैद रखने और जेल में पुलिस तथा अन्य जांच निकायों द्वारा उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन पर आधारित है। फैसले में कहा गया,

''उनके खिलाफ आरोपों की प्रकृति और भारत में उनके संबंध में प्रचार इस तरह का है कि उन्हें एक बहुत अमीर व्यक्ति माना जाएगा और इसलिए जबरन वसूली के लिए प्रमुख लक्ष्य होंगे। जेल संख्या 3 तिहाड़ जेल में अत्यधिक भीड़भाड़ और बहुत कम कर्मचारियों के मद्देनजर, सबसे ईमानदार जेल अधिकारियों के लिए भी अपीलकर्ता को गिरोह के सदस्यों सहित अन्य कैदियों के हाथों जबरन वसूली और दुर्व्यवहार से बचाना बहुत मुश्किल होगा।'' इसमें कहा गया कि भारत सरकार द्वारा दिए गए ''आश्वासनों'' से ''वास्तविक जोखिम'' दूर नहीं होता। भंडारी के खिलाफ दो प्रत्यर्पण अनुरोध किए गए थे। पहला जून 2020 में भारत के धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत धन शोधन के आरोप के संबंध में है जबकि दूसरा जून 2021 में भारत के काला धन एवं कर अधिरोपण अधिनियम 2015 के तहत लगाए जाने वाले आरोपों को लेकर है।

रूस और अमेरिका का सामान्य दूतावास संचालन पर जोर : इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और अमेरिकी राजनयिकों ने तुर्किये के इस्तांबुल में अपने-अपने देशों में स्थित एक-दूसरे के दूतावासों के संचालन को सामान्य बनाने और दोनों देशों में सीधे हवाई लिंक पर चर्चा की। दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर और दोनों देशों के अफसरों में सऊदी अरब वार्ता के बाद इस्तांबुल में ये वार्ताएं हुई हैं। संघीय सुरक्षा सेवा की इस बैठक में पुतिन ने ट्रंप प्रशासन की व्यावहारिकता और उनके यथार्थवादी दृष्टिकोण की सराहना की। पुतिन ने कहा, नए अमेरिकी प्रशासन के साथ हुए पहले संपर्क से कुछ आशाएं बढ़ी हैं। संबंधों को बहाल करने और वैश्विक व्यवस्था में मौजूद रणनीतिक समस्याओं को धीरे-धीरे हल करने के उद्देश्य से काम करने के लिए पारस्परिक तत्परता है।

18वें जन्मदिन से पहले बेटे का खून करके बोली मां-यही उसका गिफ्ट

बीजिंग, एजेंसी। यह हृदय विदारक मामला मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक गतिशीलता और भावनात्मक भार के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है, जो कभी-कभी अकल्पनीय घटनाओं को जन्म दे सकता है। यह दिल दहला देने वाली घटना अमेरिका के मिशिगन की है। इस दुखद और परेशान करने वाली घटना ने पूरे समुदाय को हिलाकर रख दिया है। मिशिगन की एक मां पर अपने 17 वर्षीय बेटे की उसके 18वें जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले कथित तौर पर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि महिला ने खुद पुलिस को फोन कर इस घटना की जानकारी दी। मां ने किया चौंकाने वाला दावा फॉक्स17 की रिपोर्ट के अनुसार, 39 वर्षीय केटी ली पर अपने बेटे के कहने पर उसकी जान लेने का आरोप लगाया गया है। महिला ने हत्या के पीछे जो कारण बताया है वह और भी चौंकाने वाला है। महिला का कहना है कि उसने अपने बेटे की आखिरी इच्छा पूरी कर दी है, यह उसका जन्मदिन का तोहफा है। महिला का दावा है कि उसके बेटे ने वयस्क होने से पहले ही उससे आत्महत्या करने के लिए कहा था। इस हृदय विदारक घटना से संबंधित विवरण लगातार सामने आ रहे हैं और लोग इस कहानी पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। महिला का कबूलनामा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना तब सामने आई जब केटी ली ने खुद पुलिस को फोन किया और अपने बेटे ऑस्टिन पिकार्ट की हत्या की बात कबूल की। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, ली ने चाकू से अपने बेटे का गला रेतकर उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने दावा किया कि ऑस्टिन ने उसके 18 साल के होने से पहले ही उसके सामने आत्महत्या करने की इच्छा व्यक्त की थी, इसलिए उसने उसके जन्मदिन से ठीक पहले इस घटना को अंजाम दिया।

मां-बेटे ने पहले भी अपनी जान देने के लिए यही तरीका अपनाया था। : मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ली ने और भी भयावह जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने और उनके बेटे ने कई घंटे पहले दवा की अधिक मात्रा लेने का प्रयास किया था, लेकिन उनका प्रयास विफल हो गया था। लेकिन, ऑस्टिन वयस्क होने से पहले ही मरने की इच्छा व्यक्त करता रहा, जिसके कारण उसकी मां ने उसके अनुरोध पर उसे मार डालने का दुखद निर्णय लिया।

महिला खुद भी अपनी जान देना चाहती थी। : पुलिस ने बताया कि केट ली के फोन करने के बाद जब वे वहां पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर दंग रह गए। रिपोर्ट के अनुसार, ली अपार्टमेंट के दरवाजे पर खून से सना चाकू पकड़े खड़ा था। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित अधिकारियों ने तुरंत अपने हथियार निकाल लिए और ली को चाकू नीचे गिराने का आदेश दिया। हालाँकि, ली ने पुलिस के निर्देशों का पालन करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने उसे नियंत्रित करने के लिए टेजर का उपयोग करने का प्रयास किया, लेकिन टेजर उपकरण काम नहीं आया। जब ली ने एक बार फिर चाकू निकालने की कोशिश की तो उसने पुलिस के साथ संघर्ष किया, लेकिन अधिकारी उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार करने में सफल रहे। गिरफ्तारी के दौरान ली ने कथित तौर पर अधिकारियों से अपनी जान लेने की भीख मांगी थी। दरअसल, महिला खुद भी आत्महत्या करना चाहती थी।

इंग्लिश को आधिकारिक भाषा बनाने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इंग्लिश को अमेरिका की आधिकारिक भाषा का दर्जा देने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। आदेश के बाद सरकारी एजेंसियां और अन्य संगठन, जो संघीय फंडिंग पर संचालित होते हैं, वे इंग्लिश भाषा में अपना कामकाज करेंगे। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें गैर इंग्लिश भाषी लोगों को भाषायी मदद दी जाती थी, लेकिन अब यह आदेश निरस्त हो जाएगा। अमेरिका के 30 राज्य पहले से ही इंग्लिश को अपनी आधिकारिक भाषा का दर्जा दे चुके हैं। हालांकि केंद्र के स्तर पर यह अभी तक नहीं हुआ था। अब ट्रंप के आदेश के बाद इंग्लिश आधिकारिक तौर पर अमेरिका की आधिकारिक भाषा बन जाएगी।

संघीय कर्मचारियों से उनकी उपलब्धियों की मांगी जा रही जानकारी : अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से संघीय कर्मचारियों पर आफत टूट पड़ी है। बड़ी संख्या में संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है और अब जो बचे हैं, उनसे उनकी उपलब्धियों के बारे में पूछा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार से संघीय कर्मचारियों को ईमेल मिल रहा है, जिसमें उनसे ये पूछा जा रहा है कि बीते हफ्ते उन्होंने क्या काम किया? और उन पांच कामों की लिस्ट मांगी जा रही है, जो उन्होंने हाल के समय में पूरे किए। ट्रंप प्रशासन द्वारा बड़ी संख्या में संघीय कर्मचारियों को रिटायर किया जा रहा है। अब ताजा ईमेल ने कर्मचारियों की मुश्किल और बढ़ा दी है।

चीन : 17 बच्चों की तस्करी की दोषी महिला को फांसी : बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक दशक से अधिक समय तक 17 बच्चों के अपहरण व तस्करी करने की दोषी एक महिला को शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी चीन के गुइझोउ प्रांत के गुइयांग में फांसी दे दी गई। 62 वर्षीय यू हुआयिंग पर 1993 से 2003 के बीच गुइझोउ, चोंगकिंग व युन्नान सहित कई क्षेत्रों में बाल तस्करी के लिए दूसरों के साथ साजिश रचने की आरोपी रही है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट द्वारा मृत्युदंड की मंजूरी के बाद उसकी फांसी की सजा को अमल में लाया गया। कोर्ट ने उसकी निजी संपत्ति जब्त करने का भी आदेश दिया है।

तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। यह हमला तालिबान के गॉडफादर के बेटे हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा 4 और लोग भी मारे गए हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि बम हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमीदुल हक्कानी को निशाना बनाकर हुआ हमला घटना के बाद पेशावर के सभी प्रमुख हॉस्पिटल में इमरजेंसी लगा दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में यह एक सुसाइड बम विस्फोट लग रहा है। इसमें मस्जिद का एक हिस्सा भी टूट गया है। खैबर पख्तून ख्वा के आईजी के मुताबिक यह हमला मौलाना हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। मौलाना हमीदुल हक्कानी, तालिबान के गॉडफादर मौलाना समीउल हक हक्कानी का बड़ा बेटा है। सीनियर हक्कानी अफगान तालिबान का कट्टर समर्थक था। उसने साल 1947 में पाकिस्तान में सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना की थी। समीउल हक ने ही तालिबान की स्थापना की थी और मुल्ला उमर

समेत कई तालिबानी नेताओं को तैयार किया था। मौलाना समीउल हक्कानी की हत्या 2018 में अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी। पिछले साल अफगानिस्तान गया था हक्कानी हक्कानी ने पिछले साल ही अफगानिस्तान का दौरा किया था और तालिबान नेताओं से मुलाकात की थी। हक्कानी ने कहा था कि उसकी यात्रा का मकसद पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर करना है। जामिया हक्कानिया मदरसा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगता आया है। इसी मदरसे के छात्रों पर पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की हत्या में शामिल होने का आरोप है। हालांकि मदरसे ने साफ तौर पर हमलावरों के साथ किसी भी तरह के संबंधों से इनकार किया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 11 करोड़ की कोकीन जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक महिला को करोड़ों रुपये की कोकीन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी। बताया गया है कि महिला अपने पेट के अंदर करीब 11 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया। डीआरआई के अधिकारियों ने उस ब्राजीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने भी तस्करी की बात कबूल भी की है। दरअसल चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल निगले थे। इसके बाद उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10.96 करोड़ आंकी गई है।

महाकुंभ में स्नान करने वाले किसी को भी नहीं हुआ त्वचा रोग : पाठक

-संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं ने उठाए थे सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं पर कहा कि महाकुंभ स्नान के बाद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। दरअसल विपक्षी नेताओं ने दावा किया था कि संगम में स्नान करने के बाद कई तीर्थ यात्री बीमार हो गए। पाठक ने कुंभ के दौरान की गई साफ-सफाई की तारीफ करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों की भारी संख्या के बावजूद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि गंगा की शुद्धता और कार्यक्रम के दौरान लागू किए गए स्वच्छता उपायों की सफलता पर जोर दिया। पाठक ने कहा कि सनातन और भारतीय संस्कृति पर आज से हमले नहीं हो रहे हैं, यह हमले सदियों से हो रहे हैं। हमारे वेद, पुराणों, श्रुतियों और स्मृतियों पर कुठाराघात किया गया। उन्होंने कहा कि तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों को नष्ट किया गया लेकिन हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रही और वह दुनिया को मार्ग दिखाती रही। हमारी संस्कृति में मनुष्य श्रेष्ठ है, जीव जंतु और वृक्ष भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। पूरी दुनिया हमारा परिवार है। यह सनातन के मूल में है। पाठक ने कहा कि महाकुंभ में हमने देखा 90 साल की सास को उसकी बहू कंधे पर उठाकर ले जा रही है। महाकुंभ में पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से लोग आए, देश ही नहीं विदेशों से लोग आए। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक उत्सव भारत और भारतीयता का परिचायक बना है। 2014 के बाद से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आमूल चूल परिवर्तन आया है। आज हम गर्व से कहने लगे हैं कि हम भारतीय हैं।

अवैध तरीके से भारत में रही बांग्लादेशी महिला को कोर्ट ने दी सजा, कहा वापस भेजा जाए

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक कोर्ट ने बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने का दोषी माना है। कोर्ट ने उसे 14 माह 28 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में 27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि तानिया को देश से निर्वासित किया जाए। उन्हें वापस बांग्लादेश भेजा जाए। मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि तानिया बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के मुंबई के बाहरी इलाके में रह रही थी। कोर्ट ने कहा कि विदेशी अधिनियम के मुताबिक अपनी राष्ट्रीयता साबित करना उसका दायित्व आरोपी पर है। बता दें कि लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने अभी तक दर्जनों अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेजा चुकी हैं। कुछ मामलों में कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां की हैं। सेशंस जज ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी का भारत में कोई स्थायी या अस्थायी पता नहीं है और वह भारतीय राष्ट्रीयता का कोई वैध प्रमाण देने में विफल रही है। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तानिया को सजा सुनाई, जो उसने 9 दिसंबर 2023 को अपनी गिरफ्तारी के बाद से पूरी कर ली है। कोर्ट ने उसे निर्वासित करने का आदेश दिया है। इसके अलावा उसपर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने कहा कि अगर वह जुर्माना नहीं भरती है तो उसे एक महीने की सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी।

बगैर भारत के जिक्र किए पाकिस्तान में बच्चों को पढ़ाया जा रहा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की हिस्ट्री क्लास भारत से बहुत अलग है। पाकिस्तान के स्कूलों में इतिहास का सिलेबस मुख्य रूप से 'पाकिस्तान स्टडीज़' के अंतर्गत पढ़ाया जाता है। पाकिस्तान के ज्यादातर स्कूलों में इतिहास की पढ़ाई 711 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम के सिंध पर आक्रमण से शुरू होती है। इसे पाकिस्तान में इस्लाम की एंट्री का प्रतीक माना जाता है। कुछ किताबों में हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता जैसी प्राचीन भारतीय सभ्यताओं का उल्लेख है, लेकिन वहां इन्हें विस्तार से नहीं पढ़ाया जाता है। इनका संबंध पाकिस्तानी पहचान से कम ही जोड़ा जाता है। वहीं, भारतीय स्कूलों में प्राचीन सभ्यताएं इतिहास का जरूरी हिस्सा हैं। पाकिस्तान स्कूल हिस्ट्री सिलेबस में मुगल काल, दिल्ली सल्तनत और अन्य मुस्लिम शासकों (जैसे गजनवी, गौरी) पर फोकस किया जाता है। इन कालखंडों को इस्लामी स्वर्ण युग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें हिंदू शासकों (जैसे मौर्य, गुप्त) या गैर-मुस्लिम इतिहास का जिक्र नहीं होता है। पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है और वहां की इतिहास की किताबों में इस बात को समझा जा सकता है। भारत में हर काल का इतिहास पढ़ाया जाता है।

भाजपा अध्यक्ष के लिए मंथन: महिला को मिल सकती है जिम्मेदारी, वनथी और दग्गुबाती की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के भीतर अध्यक्ष को लेकर विचार मंथन चल रहा है। इसमें किसके नाम पर सहमति बनेगी फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन भीतरखाने से जो निकलकर आ रहा है उसमें यही माना जा रहा है कि किसी महिला को भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसमें सुषमा स्वराज के नाम पहचान बना चुकी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन एवं आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं।

भाजपा मार्च के मध्य तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने वाली है। यह निर्णय पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद लिया जाएगा। भगवा पार्टी फिलहाल 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव आंतरिक सहमति से किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की संभावना है। इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा दक्षिण भारत से किसी को यह जिम्मेदारी दे सकती है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि भाजपा अगर किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनती है तो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन या आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की दावेदारी इस पद के लिए सबसे अधिक है। 66 साल की पुरंदेश्वरी ने 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी और संगठनात्मक मामलों में उनका महत्वपूर्ण अनुभव है। वर्तमान में वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष हैं और एक तेज-तर्रार महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं।

भाषण के कारण सुषमा से तुलना

पुरंदेश्वरी को दक्षिण की सुषमा स्वराज के नाम से भी जाना जाता है। उनकी शानदार भाषण क्षमता और पांच भाषाओं में प्रवीणता के कारण उन्हें बीजेपी के समर्थकों में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। वहीं, वनथी श्रीनिवासन पार्टी के रणनीतिकार और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया था। एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने बताया, वह अपनी मोर्चा के तहत कई सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह द्वारा उन पर भरोसा किया जाता है।

मछुआरों की परेशानी पर राज्यपाल रवि ने कहा, 1974 की 'गलती' के लिए द्रमुक भी जिम्मेदार

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और इसके लिए केंद्र को दोषी ठहराने के बजाय राज्य सरकार का रचनात्मक दृष्टिकोण मछुआरों के आंसू पोंछने में काफी मददगार साबित होगा।

श्रीलंका से गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई की मांग करने वाले प्रदर्शनकारी मछुआरों से रामेश्वरम में मुलाकात के बाद रवि ने कहा कि मछुआरा समुदाय 1974 में (भारत और श्रीलंका के बीच) एक 'अन्यायपूर्ण समझौते' का शिकार है, जो राज्य के गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था। राज्यपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) 1974 की गलतियों के लिए समान रूप से जिम्मेदार है, क्योंकि वह उस समय सत्ता में थी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्यपाल रवि ने कहा, ''आज रामेश्वरम की अपनी यात्रा के दौरान मैंने मछुआरा समुदाय के हमारे परेशान भाइयों और बहनों से मुलाकात की। मैं उनके साथ गहरी सहानुभूति रखता हूं। वे 1974 के एक अन्यायपूर्ण समझौते के शिकार हैं, जो हमारे गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई के ठेके को किया रद्द

-संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हसवाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है।

इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं।

इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था। उनमें से एक स्वास्थ्य मंत्री भी थे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सीधे जनता से जुड़ा होता है, लेकिन अगर उस विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सही नहीं है। सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर इस भ्रष्टाचार को रोक रहे हैं तो हम उनका स्वागत करते हैं।

उत्तर भारत में मौसम के बदलते मिजाज से लोग परेशान

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मार्च के पहले हफ्ते में मौसम का अंदाजा लगाना मुश्किल साबित हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में लगातार बदलते मौसम ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं और बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 से 4 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना है। दिल्ली में भी मौसम की उलझन जारी है, हालांकि रविवार को बादल छाए रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश में भी मौसम ने बदलाव लिया जा रहा है, जिसका असर प्रदेश के सभी जिलों में देखने को मिल सकता है। ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया है और न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाएं और बारिश की संभावना है, जिससे मौसम और भी उलझनियां से भरा हो सकता है। लोगों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। यहां बारिश और ओले गिरने से मौसम फिर से ठंडा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार का नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा जिसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश के सभी जिलों में मौसम साफ रहेगा और इसके लिए ग्रीन अलर्ट जारी किया गया है। अगले 5 दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है। तटीय कर्नाटक में लू चलने की संभावना है जबकि गोवा के विभिन्न इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम हो सकता है। इसके अलावा भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और मालदीव के आसपास के इलाकों में तेज हवाएं चल सकती हैं जिनकी रफ्तार 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

पंजाब में नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि राज्य में नशे और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और नशा का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मान के इस दावे का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पंजाब में नशे के खिलाफ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।' दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दावा किया कि किसी भी स्थिति में नशे को पंजाब से समाप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य सरकारी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्री और उच्च प्रशासनिक अधिकारी लगातार मुख्यमंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करें और इसे जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएं। पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच मंत्रियों की बनी सब कमेटी की पहली बैठक आयोजित की। इस बैठक में नशे से जुड़ी सभी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, तरुणप्रीत सिंह सोंध, डॉ बलबीर सिंह और लालजीत सिंह भुल्लर भी मौजूद थे। इसमें पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा भी शामिल हुए। सभी ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान को लेकर मंथन किया। मंत्रियों को कुछ जिले सुपुर्द किए गए हैं। मंत्री हरपाल चीमा को पठानकोट, गुरदासपुर, नवांशहर, रोपड़, तरनतारन और होशियारपुर जिलों का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को लुधियाना, पटियाला, कपूरथला, मोहाली, अमृतसर और जालंधर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री तरुणप्रीत सोंध को संगरूर, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, मोगा और मलेरकोटला जिलों की निगरानी सौंपी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फरीदकोट, मुक्तसर, मानसा, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह को पूरे पंजाब का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ डिपार्टमेंट की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा करेंगे और नशे की समस्या से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएंगे।

बीजेपी पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करें, कई नेता हमारे संपर्क में

-कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस में विभाजन की खबरों को किया खारिज

बंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार में विभाजन की अफवाहों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि बीजेपी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी को पहले अपना घर ठीक करना चाहिए। जैसा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है, कई बीजेपी विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता। बीजेपी टूटे हुए घर की तरह है, जबकि कांग्रेस एकजुट है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने 26 फरवरी को शिवरात्रि उत्सव के दौरान धर्मगुरु जग्गी वासुदेव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच साझा करने के बाद विवाद पैदा हो गया था। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस कदम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सद्गुरु और शाह ने कांग्रेस पर खुलेआम हमला किया था। इसके बाद पार्टी में आंतरिक कलह की अफवाहें फैलने लगी थीं। बीजेपी ने दावा किया कि शिवकुमार कांग्रेस छोड़ सकते हैं और बीजेपी की मदद से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं।

शिवकुमार ने अपने इस फैसले को धार्मिक यात्रा बताते हुए राजनीतिक नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सद्गुरु कर्नाटक के हैं और वे कावेरी जल के मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। उनका बड़ा अनुयायी वर्ग है और वे महान काम कर रहे हैं। वहां कई राजनीतिक दलों के विधायक और नेता भी थे, इसलिए मैं वहां गया था।

सीएम पद को लेकर शिवकुमार ने बार-बार दिल्ली में पार्टी के नेताओं से यह मांग की है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। विधानसभा चुनावों के बाद एक शक्ति-विभाजन समझौता हुआ था। हालांकि, सिद्धारमैया खेमे ने ऐसे समझौते को नकारते हुए दावा किया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सीएम के करीब दर्जनों मंत्रियों ने पिछले कुछ हफ्तों में शिवकुमार के दावों पर खुलकर सवाल उठाए हैं। शिवकुमार की तुलना एकनाथ शिंदे से कर्नाटक बीजेपी ने शिवकुमार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से तुलना करते हुए यह कयास लगाए कि वे कांग्रेस में विभाजन उत्पन्न कर सकते हैं।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस में कई नेता एकनाथ शिंदे की तरह हो सकते हैं। डीके शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह बढ़ने की बात कही है। हालांकि, शिवकुमार ने गठबंधन के विभाजित अफवाहों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है।

सड़क पर पड़ा था लावारिश सूटकेस, खोला तो निकली कांग्रेसी नेत्री की लाश

-हाथ में लगी थी मेंहदी, गले में थी चुनरी, मुंह से निकल रहा था खून

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के सांपला बस अड्डे पर रात एक नीले रंग का लावारिस सूटकेस मिला। इस सूटकेस को जब खोला गया तो सब हैरान रह गए। सूटकेस में एक लड़की की लाश थी, जब शिनाख्त की गई तो युवती कांग्रेस कार्यकर्ता निकली, जिसका नाम हिमानी नरवाल (30) है। हिमानी की मौत से हरियाणा में हड़कंप मच गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी की हत्या गला घोंट कर की गई है। मारने से पहले उसे उसको खूब पीटा गया, जिस कारण उसके शरीर की कई हड्डियां टूट गई थीं। फिर उसका गला घोंट दिया गया। इसके बाद हिमानी की लाश को सूटकेस में भरकर सूनसान जगह फेंक दिया था। अब पुलिस हिमानी की हत्या करने वाले का पता लगा रही है।

जानकारी के मुताबिक सूटकेस में लाश मिलने के बाद हिमानी की पहचान नहीं हो सकी थी। कुछ घंटों बाद परिजनों ने शव की पहचान की। पुलिस जब हिमानी के घर विजयनगर पहुंची, तो घर पर ताला लगा था। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि उस गाड़ी का पता चल सके, जिसने सूटकेस फेंका था। इसके अलावा हिमानी का फोन भी गायब था पुलिस फोन को भी ट्रैक कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी के गले में काले रंग की चुन्नी थी उसी से गला घोंटा गया होगा क्योंकि वह चुन्नी सूटकेस में ही मिली है। हिमानी के हाथों में मेंहदी लगी थी और उसके होंठों से खून बह रहा था, जिससे साफ होता है कि हत्या से पहले वह बहुत दर्द में रही होगी। हिमानी कांग्रेस पार्टी की एक सक्रिय कार्यकर्ता थीं और सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय थीं। वह पिछले साल राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुई थीं। उसकी हत्या से कांग्रेस में भी शोक की लहर है। कांग्रेस ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि हिमानी का परिवार पहले भी कई दुखद घटनाओं से गुजर चुका है। हिमानी से पहले उनके भाई की भी हत्या की गई थी। इसके अलावा उनके पिता ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी थी। अब हिमानी की हत्या ने पूरा परिवार सदमे में है।

नीतीश और ममता के बाद अब कौन संभालेगा इंडिया गठबंधन की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए को टक्कर देने के लिए भाजपा विरोधी कई दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया था। इसके लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने खूब भागदौड़ की थी। अंततः रिजल्ट वहीं के नहीं रहा। इस गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए कई चेहरे सामने आए जिसमें खुद नीतीश कुमार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और राहुल गांधी के नाम की भी चर्चा हुई। चर्चा सिर्फ चर्चा रह गए और इसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब एक बार फिर नेतृत्व को लेकर बात हो रही है, इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बात होने लगी है।

कई राज्यों में चुनावी हारों के बाद देश भर से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के भीतर से आवाज उठने लगी। अधिकतर सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह गठबंधन अब अपना महत्व खो रहा है। ऐसा कांग्रेस पार्टी की वजह से हो रहा है। दिल्ली में गठबंधन के दो सहयोगी दलों कांग्रेस और आप के अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण राज्य में भाजपा को शानदार जीत मिली है। इसी तरह हरियाणा में भी कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था और वहां भी अनुमान के विपरीत भाजपा को शानदार जीत मिली थी।

इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और आप के बीच तकरार का असर इंडिया गठबंधन के भविष्य पर पड़ने लगा। सहयोगी दलों से आवाज उठने लगी कि गठबंधन में कोई बड़ा नेता संयोजक पद पर होना चाहिए। इसमें सबसे बड़ा नाम पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी का था। ममता बनर्जी ने भी खुलेआम संयोजक की भूमिका निभाने की इच्छा जता चुकी है। फिर महाराष्ट्र में गठबंधन से सहयोगी दलों शिवसेना उद्धव गुट और शरद पवार की एनसीपी ने भी कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाए। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल पूछे।

दिल्ली चुनाव के दौरान आप नेता अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन से ही कांग्रेस को बाहर करने की मांग कर डाली थी।

इन सबके बीच अब इंडिया के संयोजक पक्ष के लिए एक नए चेहरे के नाम की चर्चा हो रही है। वो हैं सपा मुखिया अखिलेश यादव। सपा के एक बड़े नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि यूपी में अखिलेश यादव सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। लोकसभा में सपा दूसरी सबसे बड़ी विपक्ष पार्टी है। उसके पास 37 सांसद हैं। ऐसे में हम चाहते हैं अखिलेश यादव हो इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद दिया जाए।